हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 60 ● भिलाई, सोमवार 21 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

चेटजीपीटी से परीक्षा में नकल करते पकड़ा गया छात्र

मुंबई। देश के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में शुमार आईआईटी बॉम्बे से एक बेहद दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पवई स्थित कैंपस में एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद आक्रोशित छात्रों ने आईआईटी के मुख्य गेट पर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि अकेले इसी साल इसी कैंपस में तीन छात्र अपनी जान गंवा चुके हैं। गुस्साए छात्र संस्थान के डायरेक्टर से सीधे जवाब और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। घटनाक्रम के अनुसार, परीक्षा के दौरान छात्र पर अनुचित साधनों के प्रयोग का आरोप लगा था। पहले यह बात सामने आई थी कि उसे किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका में झांकने पर परीक्षा हॉल से बाहर किया गया था। वहीं, आईआईटी बॉम्बे प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, छात्र को परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते रंगे हाथों पकड़ा गया था।

सब्जी बनाने को लेकर पति-पत्नी में विवाद, नशे में धुत पति ने पत्नी को गोली मारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के तिगड़ी थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के दौरान एक पति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि सब्जी बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। इसी दौरान आरोपी पति ने देसी कट्टे से पत्नी पर गोली चला दी। गोली लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात के बाद आरोपी ने कथित तौर पर पड़ोसियों को गुमराह करने की कोशिश की और हत्या में शामिल होने से इनकार किया। हालांकि, पड़ोसियों को उसकी बात पर भरोसा नहीं हुआ और उन्होंने उसे पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। मृतका की पहचान पूनम के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति की पहचान कमलेश के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी करीब छह महीने पहले ही अपनी पत्नी के साथ तिगड़ी इलाके में रहने आया था। पुलिस को शाम फायरिंग की सूचना मिली थी।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 40 लाख के आईफोन और मेकबुक जब्त

लखनऊ । चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टैक्स चोरी के एक बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है। उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग की विशेष टीम ने एयरपोर्ट पर छापा मारकर करीब 40 लाख रुपये कीमत के एप्पल आईफोन और मैकबुक की एक बड़ी खेप बरामद की है। पकड़े गए इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ कोई वैध बिल या ई-वे बिल नहीं मिला, जिसके बाद विभाग ने पूरी खेप जब्त कर व्यापारी पर 14.32 लाख रुपये का भारी जुर्माना ठोक दिया है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, यह कीमती कंसाइनमेंट गुजरात के अहमदाबाद से हवाई मार्ग के जरिए लखनऊ लाया गया था।

मॉस्को पर यूक्रेन का अब तक का सबसे बड़ा हमला

1600 से अधिक ड्रोन दागे,2 की मौत-रिफाइनरी में लगी आग....

नई दिल्ली/ एजेंसी

रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन यूक्रेन ने अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। यूक्रेन की ओर से रात भर में रूस के अलग अलग हिस्सों में 1600 से अधिक ड्रोन दागे गए। इनमें से करीब 450 ड्रोन सीधे राजधानी मॉस्को की ओर भेजे गए थे, जिससे शहर में भारी तबाही मची। इस भीषण हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और मॉस्को की प्रमुख तेल रिफाइनरी को गंभीर नुकसान पहुंचा। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने इसे राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया। हमले के दौरान मॉस्को की प्रमुख तेल रिफाइनरी के मुख्य प्लांट को गंभीर नुकसान पहुंचा। रिफाइनरी में आग लगने के बाद आसमान में काले धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। हमले का असर राजधानी के रिहायशी इलाकों में भी देखने को मिला। एक यूक्रेनी ड्रोन के 21 मंजिला आवासीय इमारत से टकराने के बाद वहां आग लग गई। आपातकालीन टीमों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव के मुताबिक, ड्रोन हमले के दौरान मलबे की चपेट में आने से 44 वर्षीय महिला और 74 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इस घटना में कई लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। रिहायशी इमारत में आग लगने के बाद राहत और बचाव टीमों ने करीब 400 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें लगभग 70 बच्चे भी शामिल थे। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया के जरिए हमले की जानकारी साझा की। उनके अनुसार, इस अभियान में यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो और पेलिकन मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। जेलेंस्की ने दावा किया कि हमले का मुख्य निशाना रूस की तेल, ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सुविधाएं थीं।

मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत, 20 घायल

रूसी अधिकारियों के अनुसार, हमले में मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं। गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने मृतकों की पहचान 74 वर्षीय पुरुष और 44 वर्षीय महिला के रूप में की। हमले के बाद नुकसान का आकलन किया जा रहा था। अधिकारियों ने प्रभावित इलाकों में हुई क्षति को लेकर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की थी। हमले के दौरान मॉस्को की प्रमुख तेल रिफाइनरी के मुख्य प्लांट को गंभीर नुकसान पहुंचा।

रूस के संसदीय चुनाव के आखिरी दिन हुआ हमला

ड्रोन हमले का दावा ऐसे समय किया गया, जब रूस में संसदीय चुनाव का तीसरा और आखिरी दिन चल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे युद्ध शुरू होने के बाद रूस का पहला संसदीय चुनाव बताया गया। चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्ष की मौजूदगी बेहद सीमित बताई गई। रूस ने यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों में भी मतदान कराया, जिन्हें उसने युद्ध के बाद अपने कब्जे में लेने का दावा किया है, लेकिन जिन पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है।

उनके मुताबिक, ऐसे हमलों का उद्देश्य रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक रूप से कमजोर करना है। यूक्रेन लंबे समय से लंबी दूरी के ड्रोन और मिसाइलों के जरिए रूस के भीतर मौजूद सैन्य और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाता रहा है। हालांकि, इस हमले से जुड़े सभी दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी एयर डिफेंस यूनिट्स ने 1100 से ज्यादा ड्रोन को नष्ट किया। रूसी अधिकारियों के अनुसार, क्रीमिया और काला सागर के ऊपर उड़ रहे कई ड्रोन भी मार गिराए गए। मेयर सोबयानिन ने कहा कि मॉस्को की ओर बढ़ रहे करीब 450 ड्रोन को हवा में ही नाकाम कर दिया गया। रूसी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि यह हमला संसदीय चुनाव की प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश थी। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह रूस में आयोजित पहला युद्धकालीन संसदीय चुनाव बताया गया है।

बीजेपी ने किया पलटवार

हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता देश के लिए खतरा-हामिद अंसारी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में एजी नूरानी की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की टिप्पणी ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। अंसारी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के एक पुराने बयान का जिक्र देते हुए कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा कम्युनिज्म यानी वामपंथ नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हामिद अंसारी ने यह बात नई दिल्ली स्थित इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित तीसरे एजी नूरानी मेमोरियल लेक्चर में कही। इस दौरान उन्होंने संविधान विशेषज्ञ, लेखक और राजनीतिक टिप्पणीकार एजी नूरानी के विचारों और लेखन को याद किया। अपने भाषण में हामिद अंसारी ने एजी नूरानी की 2019 में प्रकाशित किताब का उल्लेख किया। उन्होंने इसे नूरानी की आखिरी बड़ी किताबों में से एक बताया। अंसारी ने किताब की प्रस्तावना में दिए गए संदर्भ के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की एक टिप्पणी का हवाला दिया। हामिद अंसारी का भाषण केवल नेहरू के पुराने संदर्भ तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने देश में नागरिक राष्ट्रवाद की जगह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर बढ़ते रुझानों पर भी चिंता व्यक्त की। अंसारी ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में ऐसे तरीके सामने आए हैं, जो नागरिक राष्ट्रवाद के स्थापित सिद्धांतों को चुनौती देते हैं। उनके मुताबिक, इन रुझानों में चुनावी बहुमत को धार्मिक बहुमत के तौर पर प्रस्तुत करने और राजनीतिक सत्ता पर एकाधिकार कायम करने की कोशिश दिखाई देती है।

डॉक्टर गए थे कोर्ट पेशी पर, ड्राइवर ने संभाल ली ओपीडी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित एक सरकारी अस्पताल से स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलने वाला हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां अस्पताल की ओपीडी में डॉक्टर की जगह उनका निजी ड्राइवर मरीजों की जांच करता और धड़ल्ले से दवाइयों के पर्चे लिखता नजर आया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया है। मामले ने न केवल अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर की है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि आखिर एक अनधिकृत व्यक्ति ओपीडी में बैठकर मरीजों की जान से खिलवाड़ कैसे कर रहा था।

ये मेरा सौभाग्य होगा

बागेश्वरधाम पर फिल्म बनाएंगी हनुमान अंश की प्रोड्यूसर.....

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता हासिल करने वाली फिल्में न केवल कमाई का नया रिकॉर्ड बनाया हैं, बल्कि उनके निर्माताओं से दर्शकों की उम्मीदें भी काफी बढ़ा देती हैं। नीम करौली बाबा के जीवन से प्रेरित होकर बनी आध्यात्मिक फिल्म के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद अब इसके निर्माता के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। इसी बीच फिल्म की युवा प्रोड्यूसर के धार्मिक स्थल पहुंचने से एक नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। महज 2 करोड़ रुपये के मामूली बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता ने पूरे फिल्म इंडस्ट्री को चौंका कर रख दिया है। रिलीज के 40 से ज्यादा दिन बीत जाने के बाद भी यह फिल्म सिनेमाघरों में मजबूती से टिकी हुई है। बड़ी स्टार कास्ट और भारी-भरकम बजट वाली फिल्मों की मौजूदगी के बावजूद इस फिल्म ने दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी से सीधा सवाल

दिया जलाने के लिए पैसा हॉस्टल के लिए क्यों नहीं

नईदिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर जिया जलाने वाले अभियान पर तंज कसा है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सरकार के पास दिया जलाने के पैसे पर छात्राओं के लिए हॉस्टल बनाने के लिए पैसे नहीं है। राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और इस दौरान एक छात्रा ने राहुल

के सामने अपनी बात रखी थी। राहुल गांधी ने छात्रा की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रखी। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है, हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं? ये सवाल कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा। उन्होंने कहा कि छात्रा ने बताया कि वह गांव से पढ़ने शहर आई। हॉस्टल है नहीं, तो पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने में लाखों खर्च हो जाते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि हर महीने किराए की चिंता, और बेघर होने का डर, इसी में पढ़ाई करनी पड़ती है। कई लड़कियां इसी वजह से पढ़ाई छोड़ देती हैं। केवल इसलिए कि रहने की जगह नहीं है। और आवास भत्ता? महंगाई के साथ बढ़ता नहीं, ऊपर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। उन्होंने पीएम मोदी से पूछा कि उस बच्ची के सवाल का कोई जवाब है आपके पास?

यूएन में होर्मुज संकट पर भारत की दो टूक, समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना न बनाएं

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समुद्री व्यापार और नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नेविगेशन की स्वतंत्रता और सुरक्षित समुद्री मार्गों का सम्मान करने की अपील की। बहरीन की ओर से बुलाई गई सुरक्षा परिषद की 'आरिया-फॉर्मूला' बैठक में हरीश ने कहा कि भारत एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र है

नंदीग्राम उपचुनाव सें पहले कांग्रेस को लगा झटका

उम्मीदवार मिलन प्रधान को तीन अक्टूबर तक जेल में..

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान की गिरफ्तारी को लेकर नया अपडेट आया है. 2007 के नंदीग्राम आंदोलन से जुड़े पुराने हत्या मामले में हुई गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. अब वे चुनाव प्रचार नहीं कर पाएंगे. वहीं, 4 अक्टूबर को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है. उपचुनाव से पहले हुई कांग्रेस के नंदीग्राम सीट

के उम्मीदवार मिलन प्रधान की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को कोर्ट ने 3 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. पश्चिम बंगाल में उपचुनाव को लेकर सियासी पैंतरेबाजी के बीच अब कांग्रेस के नंदीग्राम उपचुनाव के उम्मीदवार मिलन प्रधान की मुश्किलें बहुत ही ज्यादा बढ़ गयी. उपचुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान की गिरफ्तारी ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है. शनिवार को हल्दिया सब डिविजनल कोर्ट में पेश किए जाने के दौरान गिरफ्तार कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने दावा किया कि टीएमसी डरी हुई है. उनकी गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को हल्दिया सब-डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी प्रदर्शन किया. वहीं, पश्चिम बंगाल पुलिस ने इस मामले में जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़-ओडिशा के आपसी सहयोग, विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज ओडिशा प्रवास के दौरान भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री माझी ने साय का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आपसी सहयोग, विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा पड़ोसी राज्य होने के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच भी आत्मीय संबंध हैं। विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से नागरिकों को लाभ मिलने के साथ ही पूरे क्षेत्र की प्रगति को भी नई गति मिलेगी। सीएम विष्णुदेव ने भेंट-मुलाकात के बाद पत्रकारों से भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने महानदी जल विवाद पर बोले- ''महानदी जल विवाद का अब कोई मामला नहीं है, चूंकि दोनों प्रदेशों में भाजपा की सरकार है। छत्तीसगढ़ में भी, ओडिशा में भी और केंद्र में भी एनडीए की भाजपा सरकार है। इसलिए कहीं कोई विवाद की स्थिति नहीं है और बहुत जल्दी इसका निपटारा होने वाला है।''इंदौर में हुई राहुल गांधी की सभा पर बोले-''राहुल गांधी का पिछला रिकॉर्ड उठा लीजिए, वो जहाँ-जहाँ भी गए हैं वहाँ पर कांग्रेस का बंटाधार ही हुआ है। डीयू के छात्रसंघ चुनाव के परिणाम से आप पता लगा सकते हैं की

देश का युवा किनके साथ है...''

सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों पर जोर

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों राज्यों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा:छत्तीसगढ़ और ओडिशा केवल भौगोलिक रूप से पड़ोसी राज्य नहीं हैं, बल्कि दोनों राज्यों के बीच गहरा सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है. सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के बीच आपस में मजबूत आत्मीय संबंध हैं.

बेहतर समन्वय से मिलेगी विकास को गति

दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि बुनियादी ढांचे, जनकल्याणकारी योजनाओं और सीमावर्ती सुरक्षा व विकास के मुद्दों पर दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है. मुख्यमंत्री साय ने विश्वास जताया कि परस्पर सहयोग और रणनीतिक समन्वय से न केवल दोनों राज्यों के नागरिकों को सीधा लाभ पहुंचेगा, बल्कि पूरे मध्य-पूर्वी क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को भी एक नई दिशा मिलेगी.

राहुल गांधी के दौरों पर सीएम साय का निशाना

राहुल गांधी के अलग-अलग राज्यों में हो रहे राजनीतिक दौरों को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनके पिछले दौरों का रिकॉर्ड देखा जाए तो जिन-जिन जगहों पर वे गए, वहां कांग्रेस को नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के आगामी मध्य प्रदेश दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि अब इंदौर और मध्य प्रदेश में भी इसका असर देखने को मिलेगा। सीएम साय का यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी अलग-अलग राज्यों में राजनीतिक कार्यक्रमों और दौरों में शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के पिछले प्रदर्शन का हवाला देते हुए राहुल गांधी के राजनीतिक दौरों के प्रभाव पर सवाल उठाया।

डेटा विश्लेषण एवं शोध में बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित डॉ. राजीव चौधरी ने शोधार्थियों को दिया उन्नत डेटा विश्लेषण का प्रशिक्षण

दुर्ग। शासकीय वी.वाई.टी. पीजी स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग ने शोध एवं अकादमिक क्षमता विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ‘डेटा विश्लेषण एवं शोध में बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण’ विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया। जूलॉजी विभाग द्वारा आईक्यूएसी एवं आईआईसी के तत्वावधान तथा रूसा के प्रायोजन में आयोजित इस कार्यशाला में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों को समकालीन शोध की आवश्यकताओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यशाला के अंतिम दिवस डेटा एनालिसिस पर विशेष अकादमिक सत्र आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित डॉ. राजीव चौधरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर रिसोर्स पर्सन के रूप आमंत्रित थे।

उन्होंने प्रतिभागियों को डेटा के संगठन, उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों के चयन, ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण, परिणामों की व्याख्या तथा शोध डेटा की प्रकृति के अनुसार उपयुक्त विश्लेषणात्मक उपकरणों के चयन के बारे में जानकारी दी।

तकनीकी एवं प्रायोगिक सत्र में प्रतिभागियों को डेटा विश्लेषण के व्यावहारिक पहलुओं तथा विश्लेषणात्मक उपकरणों के उपयोग से अवगत कराया गया। इस व्यावहारिक दृष्टिकोण ने प्रतिभागियों को यह समझने में सहायता की कि सुव्यवस्थित एवं उचित रूप से विश्लेषित डेटा किस प्रकार विश्वसनीय और सार्थक शोध निष्कर्षों तक पहुँचने में सहायक होता है कार्यशाला की विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें शोध पद्धति, डेटा विश्लेषण और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे परस्पर जुड़े हुए अकादमिक क्षेत्रों को एक ही मंच पर समाहित किया गया। इससे प्रतिभागियों को शोध की संपूर्ण प्रक्रिया को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से समझने का अवसर मिला। विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्रों में प्रतिभागियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी शोध संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

कार्यशाला के आयोजन को महाविद्यालय की शोध एवं नवाचार-उन्मुख अकादमिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित यह पहल विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध-कौशल, डेटा-आधारित निर्णय क्षमता तथा बौद्धिक संपदा के प्रति जागरूकता विकसित करने में सहायक रही। कार्यशाला के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अपने अनुसंधान कार्यों को अधिक व्यवस्थित ढंग से करने, अपने डेटा का वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण करने, अपने नवाचारी विचारों की सुरक्षा करने तथा आधुनिक डिजिटल तकनीकों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने में सहायक सिद्ध होंगे।

कार्यशाला के समापन अवसर पर संयोजक एवं प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या के. मिंज ने तीन दिवसीय कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अंतिम दिवस के सत्र का समन्वय शोधार्थी सुश्री प्राची चंद्राकर एवं सुश्री संध्या सिंह ने किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. नीरू अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला के सफल आयोजन में जूलॉजी विभाग की डॉ.ऊषा साहू, डॉ. नीरू अग्रवाल, डॉ. मौसमी डे, डॉ. अलका मिश्रा ,डॉ. संजू सिन्हा , श्री सुदेश साहू , अनुराग मिश्रा, गोपाल राम एवं प्रीति चंद्राकर,का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जूलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. दिव्या के. मिंज तथा विभागीय टीम ने कार्यशाला का सुव्यवस्थित संचालन किया।

शुभ शक्ति गणेशोत्सव परिवार की अदभुत गणेश प्रतिमा के दर्शन करने पहुंचे खाद्य मंत्री

बेमेतरा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर बेमेतरा शहर में गणेशोत्सव की धूम देखने को मिल रही है। शहर के अलग-अलग इलाकों में आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं और भगवान श्री गणेश की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इसी कड़ी में नयापारा स्थित दुर्गा मंदिर के पास शुभ शक्ति गणेशोत्सव परिवार द्वारा स्थापित की गई भव्य एवं आकर्षक गणेश प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। शुभ शक्ति गणेशोत्सव परिवार द्वारा भगवान गणेश की विशाल एवं अदभुत प्रतिमा के साथ भव्य पंडाल तैयार किया गया है। पंडाल की सजावट और प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसी दौरान छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने भी शुभ शक्ति गणेशोत्सव परिवार द्वारा स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मंत्री दयाल दास बघेल के पहुंचने पर गणेशोत्सव परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मंत्री ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आशीर्वाद लिया और क्षेत्र एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान गणेशोत्सव स्थल पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला। भगवान गणेश के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आयोजन समिति के सदस्यों ने मंत्री दयाल दास बघेल को पंडाल और प्रतिमा की विशेषताओं की जानकारी दी। समिति के अनुसार इस वर्ष गणेशोत्सव को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं और श्रद्धालुओं की सुविधा का भी ध्यान रखा जा रहा है। शुभ शक्ति गणेशोत्सव परिवार द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा को देखने के लिए सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। गणेशोत्सव के दौरान पंडाल में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमा के साथ पंडाल की सजावट श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही है। शाम के समय यहां दर्शन के लिए आने वाले लोगों की संख्या और बढ़ जाती है। श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन करने के साथ ही परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं।आयोजन समिति के सदस्यों का कहना है कि गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज को एक साथ जोड़ने का भी माध्यम है।

विश्वकर्मा पूजा के दौरान आईटीआई राजहरा में छात्रों से मारपीट करने वाले शिक्षक पर मामला दर्ज

दल्लीराजहरा। शासकीय आईटीआई राजहरा में विश्वकर्मा जयंती के आयोजन के दौरान एक छात्र के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में राजहरा पुलिस ने आई.टी.आई. में पदस्थ शिक्षक फनील साहू सहित पांच लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 296 एवं 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार वार्ड क्रमांक 13 लोडिंग क्वार्टर, पीपल झाड़ निवासी गजेंद्र साहू (18 वर्ष) शासकीय आईटीआई राजहरा में वेल्डर ट्रेड के प्रथम वर्ष का छात्र है। छात्र ने पुलिस को शिकायत में बताया कि आईटीआई में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान करीब 11.30 बजे वह पानी पीने के बाद वापस आ रहा था, तभी आईटीआई में पदस्थ शिक्षक फनील साहू द्वारा उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लोहे का बेलचा अपने पास रखने की बात कही गई। शिकायत के मुताबिक इसके बाद शिक्षक ने छात्र को धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके हाथ की कलाई के पास चोट आई। आरोप है कि बाद में शिक्षक ने अन्य छात्रों के साथ भी गाली-गलौज की तथा नमन खोगरागड़े, सूरज संगारी, देवेंद्र निषाद और युवराज साहू के साथ मारपीट की गई। छात्र ने शिकायत में बताया कि मारपीट के दौरान नमन की कमर, देवेंद्र निषाद की कमर, सूरज संगारी के हाथ तथा युवराज की बांह में चोट आई। घटना के बाद छात्र अपने साथियों के साथ राजहरा थाना पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है तथा घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

हर मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी अनिवार्य करना छोटे केमिस्टों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझः एआईओसीडी

बेमेतरा। देशभर की प्रत्येक फार्मेसी एवं मेडिकल शॉप पर सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर-एनवीआर सिस्टम एवं संबंधित निगरानी व्यवस्था अनिवार्य किए जाने के प्रस्ताव पर ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने पुनर्विचार की मांग की है। उक्त जानकारी जिला दवा विक्रेता संघ बेमेतरा के अध्यक्ष दिनेश दुबे एवं सचिव नवीन अग्रवाल द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि एआईओसीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. एस. शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि देश के लगभग 140 करोड़ नागरिकों को प्रतिदिन लाखों केमिस्ट सुरक्षित एवं वैधानिक रूप से दवाइयाँ उपलब्ध करा रहे हैं। दिनेश दुबे ने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार प्रत्येक मेडिकल स्टोर पर 6 से 8 सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर-एनवीआर, स्टोरेज, वायरिंग, इंटरनेट एवं रखरखाव की व्यवस्था करनी होगी।

इसका खर्च छोटे एवं मध्यम केमिस्टों के लिए 50,000 से 1 लाख रुपये या उससे अधिक का अतिरिक्त आर्थिक भार बन सकता है। जिला सचिव नवीन अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में बिजली की अनियमितता, कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा प्रशिक्षित तकनीशियनों की अनुपलब्धता के कारण 24 घंटे सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की व्यवस्था व्यावहारिक रूप से कठिन है। विशेषकर छोटे गांवों और आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों में सभी मेडिकल स्टोर्स पर एक समान व्यवस्था लागू करना उचित नहीं होगा। एआईओसीडी ने सरकार से अनुरोध किया है कि यदि सीसीटीवी निगरानी को सार्वजनिक सुरक्षा एवं नियामकीय दृष्टि से आवश्यक माना जाता है, तो इसकी स्थापना एवं रखरखाव के लिए सरकार द्वारा आवश्यक अवसंरचना अथवा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। अन्यथा अनिवार्य सीसीटीवी व्यवस्था को वापस लेकर व्यावहारिक एवं अनुपातिक विकल्प पर विचार किया जाए। जिला दवा विक्रेता संघ बेमेतरा ने कहा कि केमिस्ट समुदाय सरकार के साथ सदैव सहयोग करता रहा है और जनता को दवाइयों की निर्बाध एवं सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करता रहेगा, लेकिन किसी भी नए अनुपालन का निर्धारण करते समय छोटे केमिस्टों की वास्तविक जमीनी कठिनाइयों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

नशामुक्ति अभियान के तहत शहर के होटल ढाबों में दी गई दबिश

दल्लीराजहरा। जिले के 70 पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों सहित दल्लीराजहरा शहर मे द्वारा नशामुक्ति अभियान के तहत शहर में विशेष अभियान चलाया गया, अभियान के तहत पुलिस टीम द्वारा असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त एवं पुलिस की निगरानी में रहने वाले चिन्हित व्यक्तियों के अड्डों एवं शहर के विभिन्न होटल, ढाबों पर अलग-अलग टीम बनाकर दबिश दी गई। दबिश के दौरान एक महिला के घर 15 नग देशी प्लेन शराब मिला जिसे आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई एवं ढाबे में शराब पिलाने वाले एक व्यक्ति पर कारवाही की गई। गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों, गणेश पंडालों, में पैदल फ्लैग मार्च किया गया, फ्लैग मार्च के दौरान यातायात नियमों का उलंघन करने वाले कुल 51 वाहन चालकों के विरूध्द मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। कार्यवाही पश्चात पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चौहान द्वारा ड्यूटी में तैनात अधिकारी/कर्मचारियों की डी-ब्रीफिंग की गई। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा की गई अच्छी ड्यूटी एवं सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई विसीबिल पोलिशिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे आम जनता में सुरक्षा का भाव और असामाजिक तत्वों में कानून का भय उत्पन्न होता है। उन्होंने सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत करने तथा समय-समय पर इस प्रकार की कार्रवाई एवं पुलिस की सक्रिय उपस्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए।

डिजिटल भुगतान पर सरकार द्वारा टैक्स लगाने का चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज इकाई जताया विरोध

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज इकाई दल्ली राजहरा द्वारा व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े व्यापारियों की समस्याओं और हितों को ध्यान में रखते हुए मरचेंट डिस्काउंट रेट लगाए जाने/बढ़ाए जाने के प्रस्ताव का पुरजोर विरोध किया है। वर्तमान समय में यूपीआई, क्यूआर कोड पीओएस एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियां देश की व्यापारिक अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग बन चुकी हैं। छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान तक डिजिटल भुगतान को स्वीकार कर रहे हैं। एनपीसीआई के आंकड़े भी यूपीआई के पर्सन टू मर्चेंट लेन-देन के अत्यंत बड़े पैमाने को दर्शाते हैं। चेंबर के नगर अध्यक्ष अमित कुकरेजा ने बताया कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था व्यापारिक लेन-देन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक यूपीआई एवं अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग व्यापक रूप से किया जा रहा है। ऐसे समय में डिजिटल भुगतान पर एमडीआर का अतिरिक्त वित्तीय भार व्यापारियों, विशेषकर छोटे एवं मध्यम वर्ग के दुकानदारों पर सीधा आर्थिक दबाव डालेगा। व्यापारियों के सामने पहले से ही विभिन्न प्रकार के कर, शुल्क, बैंकिंग खर्च, कर्मचारियों का वेतन, बिजली, किराया एवं अन्य बढ़ते हुए व्यय की चुनौतियां हैं। ऐसे में प्रत्येक डिजिटल लेन-देन पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाना व्यापारियों के लिए एक और अनावश्यक आर्थिक बोझ बन जाएगा। व्यापारियों पर एमडीआर का अतिरिक्त आर्थिक भार तत्काल समाप्त/ वापस लिया जाए। छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को डिजिटल भुगतान के लिए किसी भी प्रकार के अतिरिक्त शुल्क से राहत दी जाए। डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने की नीति में व्यापारी हितों एवं व्यवहारिक परिस्थितियों को प्राथमिकता दी जाए। एमडीआर से संबंधित किसी भी नए प्रावधान को लागू करने से पूर्व व्यापारिक संगठनों एवं चेम्बर ऑफ कॉमर्स से व्यापक चर्चा की जाए। व्यापारियों के हितों को प्रभावित करने वाले बैंकिंग एवं डिजिटल भुगतान संबंधी शुल्कों की समीक्षा कर व्यापार-अनुकूल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, इकाई दल्ली राजहरा स्पष्ट रूप से कहना चाहती है कि व्यापारियों पर किसी भी प्रकार का ऐसा अतिरिक्त शुल्क स्वीकार्य नहीं होगा, जिससे उनके व्यवसाय की लागत बढ़े और छोटे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो। चैंबर ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया है कि व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए एमडीआर के संबंध में हमारी आपत्ति एवं मांगों का निराकरण एवं समाधान करने की कृपा करें। व्यापारी हितों की रक्षा एवं व्यापारिक व्यवस्था को सुगम बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। वित्त मंत्री के नाम का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया है। उस दौरान अनेक व्यापारी उपस्थित थे।

बच्चों की जुबां पर विकसित भारत का सपना, स्कूलों में गूंजे भविष्य के विचार

कवर्धा। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत जिले के चारों विकासखंडों के 1481 विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, सुशासन, जनभागीदारी और विकसित भारत 2047 की संकल्पना पर उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए। अभियान का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों के साथ किया जा रहा है। प्रतियोगिता में जिले के 1236 शासकीय, 239 अशासकीय और 6 अनुदान प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने पिछले 25 वर्षों में देश द्वारा हासिल उपलब्धियों से लेकर आगामी 25 वर्षों में विकसित भारत की अपनी कल्पना तक विभिन्न विषयों पर विचार रखे। करीब आधे विद्यार्थियों ने देश की उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किए, जबकि अन्य विद्यार्थियों ने वर्ष 2047 के विकसित भारत को लेकर अपने सपने, सुझाव और संकल्प साझा किए। विद्यार्थियों ने शाला विकास समिति के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों के समक्ष अपने विचार रखते हुए संवाद किया। इससे बच्चों में अभिव्यक्ति क्षमता के साथ राष्ट्र निर्माण, सेवा और जनभागीदारी के प्रति जागरूकता विकसित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एफआर. वर्मा, सहायक संचालक नीलेश चन्द्रवंशी और एमआईएस प्रशासक सतीश कुमार यदु ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने गतिविधियों का अवलोकन कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों एवं मैदानी अमले ने भी विद्यालयों की मॉनिटरिंग की। सभी विद्यालयों में गत दिवस आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रतियोगिता के विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। पालकों, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। कुछ विद्यालयों में उत्सवपूर्वक न्योता भोज का आयोजन भी किया गया। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना विकसित करने के साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना है। अभियान के माध्यम से बाल एवं युवा शक्ति को विकसित भारत ब2047 की संकल्पना से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मकता और विचार क्षमता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यालय से चयनित एक उत्कृष्ट चित्रकला एवं एक भाषण प्रतिभागी विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर की प्रतियोगिता 28 सितंबर, जबकि हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्तर की प्रतियोगिता 1 अक्टूबर 2026 को होगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 3 अक्टूबर 2026 को पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, सिग्नल चौक कवर्धा में आयोजित होंगी। जिला स्तरीय भाषण में प्रत्येक विकासखंड से 5-5 तथा ड्राइंग में 20-20 चयनित प्रतिभागी शामिल होंगे।

शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, पीढ़ियों का निर्माण करते हैं : विधायक दीपेश साहू

बेरला में शिक्षक सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

बेमेतरा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 1993 से चली आ रही गौरवशाली परंपरा के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण बेरला में शिक्षक सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त, उत्कृष्ट शिक्षकों और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। रक्तदान शिविर में 16 युवाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, अतिविशिष्ट अतिथि शिक्षा आयोग अध्यक्ष सुधीर गौतम थे। इस अवसर पर दीपेश साहू ने कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, बल्कि पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। शिक्षा व्यवस्था की आत्मा शिक्षक होती है। एक शिक्षक का छोटा सा मार्गदर्शन विद्यार्थी का पूरा जीवन बदल देता है। उन्होंने कहा कि 1993 से निरंतर चल रहा यह सम्मान समारोह बेरला की शिक्षा के प्रति सम्मान की जीवंत परंपरा है। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री नहीं, शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी भी जरूरी है। शिक्षक राष्ट्र निर्माण के मौन शिल्पकार हैं। विधायक दीपेश साहू ने रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं, आपका एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की उम्मीद बन सकता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष माधुरी परगनिहा, नगर पंचायत अध्यक्ष विशालराज देशलहरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष खुशबू पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कबीरधाम में जला 'आशीर्वाद का दीया'

कवर्धा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा एवं समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने कबीरधाम जिले के ग्रामीण और सुदूर वनांचल क्षेत्रों में घर-घर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित किया गया। प्रधानमंत्री आवास, रोजगार, स्वच्छता, आजीविका और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों ने दीप जलाकर अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की खुशियां साझा कीं। जिले में विकसित भारत जी राम जी योजना के 1 लाख 70 हजार 498 ग्रामीण परिवारों ने 125 दिनों के रोजगार तथा प्रतिदिन 300 रुपये मजदूरी के प्रावधान के प्रति आभार व्यक्त किया। योजना में जिले के 3 लाख 61 हजार 652 ग्रामीण पंजीकृत हैं। जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन से जुड़े 111 अमृत सरोवर एवं 466 आजीविका डबरी के हितग्राहियों ने भी दीप प्रज्वलित किए। गत वर्ष जिले में सर्वाधिक रोजगार पाने वाली 1 लाख 31 हजार 139 ग्रामीण महिलाओं ने भी अभियान में सहभागिता की। पक्के आवास का सपना पूरा होने की खुशी भी दीपों के माध्यम से दिखाई दी। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 86 हजार 920, प्रधानमंत्री जनमन योजना के 6 हजार 14 तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के 1 हजार 124 परिवारों सहित कुल 94 हजार 58 ग्रामीण परिवारों को पक्के आवास का लाभ मिला है। इन परिवारों ने अपने घरों में दीप जलाकर खुशी जाहिर की। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी जिले की उपलब्धि सामने आई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी 47 हजार 560 महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। जिले में 10 हजार 623 महिला स्व-सहायता समूहों से 1 लाख 13 हजार 718 महिलाएं जुड़ी हैं। महिलाओं ने आर्थिक आत्मनिर्भरता और आजीविका के नए अवसर मिलने की खुशी में दीप प्रज्वलित किए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 88 हजार 213 ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय का लाभ मिला है। जिले को खुले में शौच मुक्त बनाने के साथ 688 गांवों में कचरा कलेक्शन की व्यवस्था प्रगतिशील है। 4,188 स्वच्छाग्रहियों को चिन्हांकित किया गया है। कलेक्टर मती तुलिका प्रजापति ने कहा कि केन्द्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण भारत प्रगति की ओर बढ़ रहा है। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। 'आशीर्वाद का दीया' अभियान में ग्रामीणों ने खुशियां साझा करने के साथ वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सहभागिता का संकल्प भी लिया।

संक्षिप्त समाचार

घर पहुंचा नल का पानी, भुलिया बाई की बदली दिनचर्या

रायपुर। गौरेला विकासखंड के वनांचल ग्राम करंगरा की भुलिया बाई के परिवार के लिए जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने से पानी की समस्या काफी हद तक आसान हुई है। पहले परिवार को पेयजल के लिए गांव से दूर बिल्लमगढ़ तक उबड़-खाबड़ रास्तों से जाना पड़ता था। पानी लाने में समय और श्रम खर्च होने के साथ घरेलू जिम्मेदारियों के बीच यह रोजमर्रा की बड़ी चुनौती थी। घर में नल कनेक्शन लगने के बाद अब परिवार को दूर से पानी लाने की जरूरत नहीं पड़ती। नल खोलते ही घर पर पेयजल उपलब्ध हो जाता है, जिससे समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है। भुलिया बाई ने बताया कि पहले पानी के लिए दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब घर में ही नल से पानी मिल जाता है। इससे रोजमर्रा के काम आसान हुए हैं और काफी समय बच रहा है। जल जीवन मिशन की शुरुआत 15 अगस्त 2019 को की गई थी। मिशन का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल उपलब्ध कराना है। केन्द्र और राज्य सरकारों की साझेदारी से संचालित इस मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शन का विस्तार किया जा रहा है।

आरंग में शिक्षक की बेरहमी से हत्या, महानदी तट पर मिला खून से लथपथ शव

रायपुर। रायपुर से लगे आरंग थाना क्षेत्र में एक शिक्षक की सिर कुचलकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान डंगनिया (चंपारण) निवासी शिवकुमार चंद्राकर के रूप में हुई है। वे शासकीय विद्यालय कुम्हारी में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। बताया जा रहा है कि शिवकुमार किसान नेता रुपन चंद्राकर के भतीजे थे। शिवकुमार का शव बनचरौदा के पास महानदी तट पर खून से लथपथ हालत में मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उनके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया, जिससे उनकी मौत हुई। घटनास्थल के पास उनकी बाइक भी बरामद हुई है। घटना की सूचना मिलते ही आरंग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को हत्या के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका है, हालांकि वारदात के कारणों और आरोपियों के संबंध में अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रायपुर से डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही आरोपियों की तलाश में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गणेश उत्सव में ड्रोन से यातायात और भीड़ पर नजर

रायपुर। गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही और गणेश पंडालों में भीड़ को देखते हुए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों, पंडालों और आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए निगरानी की जा रही है। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा के नेतृत्व में की जा रही ड्रोन निगरानी से भीड़ और यातायात दबाव की वास्तविक समय की जानकारी जुटाई जा रही है। इसके आधार पर जाम वाले क्षेत्रों की पहचान कर जरूरत के अनुसार यातायात पुलिस बल की तैनाती और पुनर्स्थापना की जा रही है।

विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026 में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

विकास की नई रफ्तार से बदल रहा छत्तीसगढ़-उपमुख्यमंत्री अरुण साव

■ शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप तैयार हो रहा नया छत्तीसगढ़, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को प्राथमिकता'

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में विकास का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। राज्य की अधोसंरचना को नई मजबूती दी जा रही है। सड़क, परिवहन और कनेक्टिविटी से लेकर आवास, जलापूर्ति और सार्वजनिक परिवहन तक के लिए आने वाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकास की आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है। मजबूत अधोसंरचना आर्थिक विकास की बुनियाद है और राज्य सरकार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। अधोसंरचना विकास पर अब तक 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज 'विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' में ये बातें कहीं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नवा रायपुर में इकोनॉमिक टाइम्स ग्रुप द्वारा आयोजित 'छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए राज्य में अधोसंरचना के विस्तार पर लगातार काम किए जा रहे हैं। बेहतर सड़कें, सुगम परिवहन और मजबूत कनेक्टिविटी न केवल लोगों की आवाजाही को आसान बनाती हैं, बल्कि उद्योग, व्यापार और निवेश के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार उन राज्यों और क्षेत्रों की विकास संबंधी जरूरतों पर भी विशेष ध्यान दे रही है, जो लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा में अपेक्षाकृत पीछे रहे हैं। श्री साव ने विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां कनेक्टिविटी, अधोसंरचना और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे देश के अलग-अलग हिस्सों के बीच विकास का संतुलन मजबूत

हो रहा है और दूरस्थ क्षेत्रों को भी व्यापक आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के अवसर बढ़ रहे हैं। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास का लाभ अधिक से अधिक क्षेत्रों और लोगों तक पहुंचाने के लिए अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और शहरों की बढ़ती आबादी के साथ लोगों की जरूरतें भी बदल रही हैं। ऐसे में केवल वर्तमान जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर शहरी सुविधाओं और अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति के लिए मजबूत अधोसंरचना जरूरी है। सड़कों और परिवहन सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी बेहतर होती है और इसका सीधा लाभ आर्थिक गतिविधियों को मिलता है। छत्तीसगढ़ में इसी दृष्टि से अधोसंरचना विकास को विकास की गति से जोड़ते हुए काम किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक श्री नीलेश महादेव क्षीरसागर ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ शहरों की जरूरतों का स्वरूप भी बदल रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक शहरी अधोसंरचना तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0, बेहतर जलापूर्ति और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार प्रभावी ढंग से काम कर रही है। कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के विकास, अधोसंरचना, शहरीकरण और निवेश से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में इकोनॉमिक टाइम्स के सीनियर एसोसिएट एडीटर श्री अर्पित गुप्ता, टीपीआरईसी (ज्च्त्म्ब) के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय बांगा तथा अनिएक्स (द्दपमग) के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री नीरव शाह भी मौजूद थे।

धनौली ग्रामीणों से मिले मंत्री राजेश अग्रवाल.....

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम पंचायत धनौली पहुंचकर ग्रामीणों और विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद किया। उन्होंने योजनाओं से हुए बदलाव और हितग्राहियों के अनुभवों की जानकारी ली। मंत्री ने पीएम जनमन आवास योजना के हितग्राही कार्तिक राम बैगा और धीरपाल सिंह बैगा के नवनिर्मित आवासों का अवलोकन किया। उन्होंने दोनों परिवारों से मुलाकात कर पक्का आवास मिलने के बाद जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने धीरपाल सिंह बैगा की पत्नी भानुकला बैगा की सफलता की कहानी भी जानी। बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़ी भानुकला बैगा बकरी पालन सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों से आय अर्जित कर रही हैं। समूह से जुड़कर आजीविका गतिविधियों के विस्तार के जरिए उन्होंने 'लखपति दीदी' बनने की उपलब्धि हासिल की है। मंत्री ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए आगे भी आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही नेमचंद गुर्जर से भी मुलाकात कर योजना से मिले स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली। श्री गुर्जर ने बताया कि उन्होंने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपचार का लाभ लिया है।ग्रामीणों ने मंत्री का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें भुट्टा खिलाया। मंत्री ने ग्रामीणों की आत्मीयता के लिए आभार जताया।

पीएससी परीक्षा मूल्यांकन में युवाओं के भविष्य से न हो खिलवाड़ विक्रम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर द्वारा जिला मुख्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने राज्य लोक सेवा आयोग पीएससी की परीक्षा प्रक्रिया और मूल्यांकन व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए। विक्रम मंडावी ने आरोप लगाया कि पीएससी की मुख्य परीक्षा में कुछ मामलों में सही और गलत उत्तरों के लिए समान अंक दिए गए हैं, जबकि कुछ प्रश्नों में गलत उत्तर लिखने वाले अभ्यर्थियों को सही उत्तर देने वाले अभ्यर्थियों से अधिक अंक मिलने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति परीक्षा की निष्पक्षता और

पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है।उन्होंने वर्ष 2025 की राज्य सेवा परीक्षा का उल्लेख करते हुए कहा कि 265 पदों के लिए मुख्य परीक्षा के बाद नियमानुसार पदों के तीन गुना यानी 795 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना चाहिए था, लेकिन 608 अभ्यर्थी ही साक्षात्कार तक पहुंच सके। कांग्रेस ने आयोग से मांग की कि शेष 187 अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंक नहीं मिलने के आधार को स्पष्ट किया जाए और उनकी उत्तर-पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जाएं। विधायक ने वर्ष 2024 की मुख्य परीक्षा की दो उत्तर-पुस्तिकाओं का हवाला देते हुए मूल्यांकन में कथित विसंगतियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ प्रश्नों में समान अथवा सही उत्तर लिखने वाले अभ्यर्थियों को अलग-अलग अंक दिए गए। वहीं, कुछ उदाहरणों में कथित तौर पर गलत उत्तरों पर भी अंक दिए जाने का आरोप लगाया गया। मंडावी ने कहा कि होमरूल लीग की स्थापना, भक्तिन माता राजिम, घरेलू हिंसा से व्यथित व्यक्ति और बौद्ध धर्म के महाभिनिष्क्रमण से जुड़े प्रश्नों की उत्तर-पुस्तिकाओं में अंक देने के तरीके को लेकर सवाल खड़े होते हैं।

विद्यार्थियों ने रचनात्मकता से दिया स्वच्छ भारत विकसित भारत का संदेश

■ स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने और स्वच्छता दूत के रूप में भूमिका निभाने के लिए हुए प्रेरित

रायपुर/ संवाददाता

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' विषय पर निबंध, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा और विचारों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दिया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के साथ उन्हें अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता, स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ गांव, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ भारत के महत्व जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्वच्छ वातावरण को स्वस्थ जीवन और विकसित समाज की आधारशिला के रूप में रेखांकित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों को अपनी कल्पनाशीलता के साथ चित्रों में उकेरा। स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ गांव, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त वातावरण तथा हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण जैसे विषयों पर बनाए गए चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' विषय पर अपने विचार साझा करते हुए स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यार्थियों ने कचरे का उचित प्रबंधन, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने जैसे उपायों को अपनाने का संदेश दिया।

पति के साये के बिना भी संतोषी ने पाई स्वावलंबन की नई राह....

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के साल्हेवना गांव की रहने वाली संतोषी साहू के जीवन में 'सेवा संकल्प अभियान' और 'महतारी वंदन योजना' उम्मीद की एक नई किरण लेकर आए हैं। पति स्वर्गीय खोलबहरा साहू के असामयिक निधन के बाद संतोषी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। परिवार के भरण-पोषण से लेकर बच्चों की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करना उनके लिए एक दैनिक संघर्ष बन गया था। सीमित संसाधनों और कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते उन्हें अक्सर दूसरों के आगे हाथ फैलाना पड़ता था। राज्य शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'महतारी वंदन योजना' ने संतोषी के इस संघर्षपूर्ण जीवन को नई

दिशा दी है। वर्ष 2024 से संतोषी को नियमित रूप से प्रतिमाह 1,000 रुपये (वार्षिक 12,000 रुपये) की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। यह राशि केवल एक आर्थिक मदद भर नहीं है, बल्कि इसने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने का भरोसा दिया है। महतारी वंदन योजना से आए इस बदलाव को साझा करते हुए संतोषी बताती हैं कि पहले घर के छोटे-मोटे खर्चों और बच्चों की प्राथमिक जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था या सोचना पड़ता था। इस योजना से हर महीने मिलने वाले पैसों ने मुझे एक नई ताकत दी है। अब मैं खुद को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महसूस करती हूं।हर महीने तय समय पर मिलने वाली इस सहायता से संतोषी न केवल अपने घरेलू खर्च आसानी से उठा पा रही हैं, बल्कि बच्चों की इच्छाएं पूरी करने और अपने फैसले स्वयं लेने में सक्षम हुई हैं। संतोषी साहू का यह बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण है कि किस प्रकार राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर पर असहाय और जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन में स्वाभिमान और नए आत्मविश्वास का संचार कर रही हैं

एआई के क्षेत्र में नई उड़ान की तैयारी में छत्तीसगढ़......

रायपुर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और सुशासन के क्षेत्र में इसके उपयोग को बढ़ावा देने की तैयारी शुरू की है। राज्य सरकार की ओर से 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन के जरिए युवाओं को नई तकनीक से जोड़ने और एआई आधारित नवाचार को प्रोत्साहित करने की योजना है। मुख्यमंत्री एआई मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। योजना के अनुसार करीब 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। वहीं 50 से अधिक शासकीय सेवाओं में एआई के इस्तेमाल की दिशा में काम किया जाएगा। सरकार के अनुसार युवाओं को मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर रोजगार के साथ उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में मौसम, फसल, कीट और रोग संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सलाह देने में एआई की मदद लेने की योजना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित तकनीक के जरिए जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन को बेहतर बनाने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। वहीं सरकारी सेवाओं और योजनाओं की मॉनिटरिंग को प्रभावी बनाने के लिए भी एआई तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने की ओर बढ़ते कदम

सूर्य घर बिजली योजना से घरों की छतें बनीं ऊर्जा उत्पादन की इकाइयां

■ सौर ऊर्जा से बिजली खर्च में राहत के साथ स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मिल रहा बढ़ावा

रायपुर/ संवाददाता

देश में स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ आम नागरिकों को ऊर्जा उत्पादन में सहभागी बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। योजना ने घरों की छतों को केवल मकान का हिस्सा नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें बिजली उत्पादन की छोटी इकाइयों में बदलने का रास्ता खोला है। रूफटॉप सोलर संयंत्र के माध्यम से परिवार अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ अतिरिक्त बिजली को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार विद्युत ग्रिड में भेज सकते हैं। इस तरह बिजली का एक सामान्य उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में सहभागी बनकर 'ऊर्जा दाता' की भूमिका की ओर बढ़ रहा है। भारत में सौर ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए घरों की खाली छतों का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए करना स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पात्र परिवार अपने घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करा सकते हैं और निर्धारित प्रावधानों के अनुसार केंद्र एवं राज्य सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी से संयंत्र स्थापित करने की प्रारंभिक लागत का बोझ कम होता है। वहीं, सौर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतों की पूर्ति होने पर पारंपरिक बिजली पर निर्भरता और घरेलू बिजली खर्च में कमी आने की संभावना रहती है। आवश्यकता से अधिक बिजली उत्पादन होने पर अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने की व्यवस्था नागरिकों को ऊर्जा व्यवस्था से सीधे जोड़ती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को सरगुजा जिले में भी नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए जिले में 2,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध 3,282 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 3,222 आवेदनों में वेंडरों का चयन किया जा

चुका है, जबकि 1,733 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में योजना की पहुंच बढ़ रही है। अम्बिकापुर शहर में 1,000 के लक्ष्य के विरुद्ध 2,158 आवेदन प्राप्त हुए और 1,360 घरों में संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं अम्बिकापुर ग्रामीण क्षेत्र में 1,000 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,124 आवेदन प्राप्त हुए तथा 373 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि सरगुजा में नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। योजना के प्रति बढ़ती रुचि यह भी दर्शाती है कि परिवार बिजली की जरूरत पूरी करने के साथ ऊर्जा उत्पादन में अपनी भागीदारी को लेकर भी जागरूक हो रहे हैं। अम्बिकापुर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड, दर्रीपारा निवासी श्री विनोद कुमार राय के परिवार का अनुभव इस बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करता है। सोलर संयंत्र स्थापित करने से पहले उनके घर का बिजली बिल कई बार 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता था। इससे परिवार के मासिक बजट पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ता था। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी मिलने के बाद श्री राय ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया और अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराया। लगभग 2 लाख रुपये की लागत वाले संयंत्र पर उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। इस तरह उन्हें कुल 1.08 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्राप्त हुई। श्री राय ने सब्सिडी की राशि सोलर संयंत्र के लिए लिए गए बैंक ऋण में जमा की। अब उनके लिए सौर ऊर्जा केवल बिजली खर्च कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि बिजली उत्पादन में स्वयं की भागीदारी का अवसर भी है। कई बार उनके घर में सोलर संयंत्र से उत्पादित बिजली घरेलू खपत से अधिक हो जाती है। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त बिजली ग्रिड में चली जाती है और निर्धारित नियमों के अनुसार उसका लाभ मिलता है। अम्बिकापुर के मायापुर निवासी श्रीमती नीधि वर्मा ने भी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अपने घर में सोलर बिजली संयंत्र स्थापित कराया। उनके अनुसार संयंत्र लगने से पहले घर का बिजली बिल लगभग 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह आता था।

संपादकीय

भारत के एजेंडे में वैश्विक दक्षिण, व्यापार और शांति, मोदी की कूटनीति पर दुनिया की नजर

ब्रिक्स 2026 में भारत आर्थिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज और शांति के मुद्दों को प्रमुखता देगा। मोदी-पुतिन और मोदी-शी जिनपिंग की बैठक से वैश्विक कूटनीति और भारत-चीन संबंधों पर नजर रहेगी। देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, व्यापारिक तनाव और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है, तब ब्रिक्स की प्रासंगिकता और बढ़ गई है।भारत के लिए यह मंच अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त रूप देने की दृष्टि से भी अहम है। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को हुई बैठक में भी भारत की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सौ अरब डालर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत को व्यापारिक सहयोग के मोर्चे पर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विस्तार देने और नए बाजार तलाशने की जरूरत है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुए ब्रिक्स समूह का विस्तार अब कई अन्य देशों तक हो चुका है। ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दृष्टि से विकासशील देशों की आवाज बुलंद करने का माध्यम भी है।भारत की नीति दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों को उनकी आर्थिक क्षमता और जनसंख्या के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की वकालत की जाती रही है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आसान बनाने जैसे विषय भी भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और इन मुद्दों पर शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है।इसके अलावा, भारत हमेशा से वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में दोहराया कि किसी भी समस्या का समाधान केवल युद्ध नहीं हो सकता है। साथ ही कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के शांति प्रयासों में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है।भारत ऐसे समय में ब्रिक्स को अधिक प्रभावी मंच के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है।

मौत का इंतजार करती इमारतें और गहरी नींद सोता प्रशासन

(योगेश कुमार गोयल)

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी?

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है।

सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है,

मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है।

दिल्ली में अतीत की त्रासदियां भी हमें बार-बार चेताती रही हैं। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो या हाल के वर्षों में सामने आए बेसमेंट, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों से जुड़े हादसे, हर घटना के बाद सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे। बंद दरवाजे, अवरुद्ध निकास, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों की अनुपलब्धता और प्रशासनिक उदासीनता बार-बार त्रासदियों की पृष्ठभूमि में दिखाई देती रही है। फिर भी व्यवस्था की स्मृति इतनी कमजोर है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सस्पेंशन हमेशा छोटे कर्मचारी का ही क्यों होता है? यदि किसी इलाके में वर्षों तक अवैध निर्माण चलता रहा, यदि नियमों के विपरीत इमारतें खड़ी होती रही और उनमें पीजी, कोचिंग सेंटर, दुकानें या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रही तो उस पूरे प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए, जिसने इसे होने दिया। तत्कालीन अवैध निर्माण प्रभारी, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, जोनल स्तर के जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका की निष्पक्ष जांच क्यों न हो? यदि मिलीभगत प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी उसी अनुपात में कठोर क्यों न हो?

समस्या किसी एक इमारत की नहीं है। दिल्ली और देश के तमाम शहरों में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जो बाहर से सामान्य दिखाई देती हैं लेकिन भीतर से मौत के जाल में बदल चुकी हैं। कहीं बेसमेंट में अवैध निर्माण है, कहीं बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, कहीं संकरी सीढ़ियां, कहीं बंद खिड़कियां, कहीं लोहे की ग्रिलें और कहीं एक ही प्रवेश-निकास द्वार। अग्निशमन उपकरण कई जगह केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं और आपातकालीन निकास कागजों पर मौजूद रहते हैं, वास्तविकता में नहीं। ऐसी स्थिति में हादसा होने पर दमकल की गाड़ियां भी संकरी गलियों में फंस जाती हैं। बचाव दल के पास पहुंचने का रास्ता नहीं होता और अंदर फंसे लोगों के पास बाहर निकलने का रास्ता नहीं होता। फिर कुछ ही मिनटों में एक इमारत कब्रिस्तान में बदल जाती है।

अब जरूरत केवल दोषी खोजने की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। दिल्ली की सभी पुरानी बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। पीजी, हॉस्टल, कोचिंग सेंटर और बेसमेंट में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनिवार्य जांच होनी चाहिए। फायर एनओसी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध हो। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाकर उसे वैध बनाने की प्रवृत्ति समाप्त होनी चाहिए। गंभीर उल्लंघन वाली इमारतों को तत्काल सील और आवश्यकतानुसार ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि जिम्मेदारी ऊपर तक जानी चाहिए। किसी दुर्घटना के बाद दो-चार छोटे कर्मचारियों को निलंबित कर देना प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, अक्सर जिम्मेदारी से बचने का तरीका बन जाता है। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, मिलीभगत या भ्रष्ट आचरण के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ी है तो उसके विरुद्ध कठोर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। पद जितना बड़ा हो, जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए।

सत्य निकेतन का मलबा केवल ईंट-पत्थरों का ढ़ेर नहीं है। उसके नीचे प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता, भवन सुरक्षा के नियमों और नागरिकों के भरोसे की भी परीक्षा हो रही है। इस त्रासदी को 'हादसा' कहकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ा अपराध होगा। हादसा वह होता है, जिसे रोका न जा सके लेकिन जिस दुर्घटना की जमीन अवैध निर्माण, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही से तैयार होती है, उसे केवल हादसा कहना सच्चाई को छोटा करना है। यदि इस बार भी जांच के नाम पर खानापूर्ति हुई, छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराकर बड़े जिम्मेदार बच निकले और कुछ लाख रुपये के मुआवजे को न्याय का विकल्प बना दिया गया तो अगली त्रासदी केवल समय की प्रतीक्षा करेगी।

पाकिस्तान की तबियत बिगड़ी ! ब्रिक्स में मोदी का शक्ति प्रदर्शन देख इस्लामाबाद में जबरदस्त खलबली

(नीरज कुमार दुबे)

इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं।

नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्सशिखर सम्मेलन की गूंज वैसे तो पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है लेकिन पाकिस्तान के सत्ता और रक्षा प्रतिष्ठान में इसे लेकर जबरदस्त सन्नाटा छाया हुआ है। सन्नाटा इसलिए है क्योंकि शहबाज शरीफ से लेकर असीम मुनीर तक, आसिफ अली जरदारी से लेकर ख्वाजा आसिफ तक और इशाक डार से लेकर पाकिस्तान के अन्य बड़बोले नेताओं तक की नजरें टीवी चैनलों पर लगी हुई हैं और जैसे जैसे वैश्विक नेता एक एक कर दिल्ली की धरती पर उतर रहे हैं वैसे वैसे पाकिस्तान हुक्मरानों का गला सूखता जा रहा है।

हम आपको बता दें कि इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत-चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से भी बाकायदा चीन-भारत बढ़ती नजदीकी पर सवाल पूछा गया, जिस पर उसने कहा कि चीन के साथ उसकी आल वेदर साझेदारी किसी तीसरे देश के साथ चीन के संबंधों से प्रभावित नहीं होगी। लेकिन यही स्पष्टीकरण बताता है कि सवाल कितना महत्वपूर्ण हो चुका है।

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका मोदी-शी जिनपिंग की मुलाकात होने वाली है। सात साल बाद शी जिनपिंग का भारत आना अपने आप में बड़ा संकेत है। सीमा विवाद के बाद दोनों देशों ने धीरे-धीरे संवाद बहाल किया है और अब व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन तथा रणनीतिक संवाद पर आगे बढ़ने की कोशिश हो रही है। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसकी सुरक्षा रणनीति लंबे समय से इस धारणा पर टिकी रही है कि भारत को दो मोर्चों पर एक साथ दबाव में रखा जा सकता है। लेकिन अगर बीजिंग और नई दिल्ली टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व की ओर बढ़ते हैं, तो इस्लामाबाद का वह रणनीतिक गणित कमजोर पड़ सकता है। साथ ही पाकिस्तान इसलिए भी परेशान है कि यदि भारत और चीन के संबंध सुधरे तो भविष्य के भारत-पाक संघर्ष में बिना बीजिंग के सहयोग के इस्लामाबाद के लिए मैदान में कुछ घंटे टिक पाना भी मुश्किल हो जायेगा। दूसरा मोर्चा मोदी-पुतिन समीकरण है। दोनों नेताओं की बैठक में S-400 की अंतिम यूनिट की डिलीवरी और अगली पीढ़ी के बारहमास पर चर्चा हो रही है। भारत को चार एस-400 रेजिमेंट मिल चुकी हैं और पांचवीं की डिलीवरी पर रूस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान के लिए यह इसलिए चिंता का विषय है क्योंकि भारत की वायु-रक्षा और लंबी दूरी की मारक क्षमता में रूसी सहयोग उसकी सैन्य गणना को और कठिन बनाता है। आने वाले समय में बारहमास के उन्नत संस्करण और संयुक्त उत्पादन पर बातचीत इस तस्वीर को और गंभीर बना सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान रूस की एस-400 ने पाकिस्तान के लगभग सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया था। उस समय पाकिस्तान ने चीन और तुर्की से रक्षा उपकरण लेकर भारत पर निशाने साधे थे लेकिन एस-400 के आगे कोई नहीं टिक पाया था। ऐसे में पाकिस्तान की नजरें इस बात पर बनी हुई हैं कि भारत और रूस के बीच क्या नये रक्षा समझौते होने जा रहे हैं।

पाकिस्तान की तीसरी चिंता सऊदी अरब और चौथी ईरान को लेकर है। ब्रिक्स की मेज पर सऊदी अरब और ईरान दोनों हैं, जबकि पश्चिम एशिया अब भी संघर्ष की आग में झुलस रहा है। पाकिस्तान के लिए यह बेहद असहज परिस्थिति है क्योंकि एक तरफ वह सऊदी अरब के साथ अपने सुरक्षा संबंधों को महत्वपूर्ण मानता है, दूसरी तरफ भारत के खाड़ी देशों के साथ रिश्ते लगातार गहरे हो रहे हैं। इसी बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भारत पहुंचे हैं और मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता भी हो रही है। पाकिस्तान की चिंता यहां यह है कि सऊदी अरब के साथ वह हाल ही में मक्का पैक्ट में शामिल हुआ है। ऐसे में यदि भारत और सऊदी अरब के संबंध और मजबूत होते हैं तो मक्का पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकल जायेगी। साथ ही ईरानी राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत के बाद यदि पश्चिम एशिया के हालात में सुधार होता है तो पाकिस्तान की उस पूरी कूटनीतिक कवायद पर पानी फिर जायेगा जिसके तहत कभी अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद बुलाकर वार्ता कराई गयी तो कभी शहबाज शरीफ और असीम मुनीर भागे भागे तेहरान और वाशिंगटन के चक्कर लगाते रहे।

मायावती ने आकाश को क्यों दिखाई 'जमीन' ?

उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

(नीरज कुमार दुबे)

बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं?

बहुजन समाज पार्टी की सियासत में एक बार फिर ऐसा उलटफेर हुआ है, जिसने पार्टी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में भी हलचल तेज कर दी है। जिस कवायद को आकाश आनंद के सियासी भविष्य की राह साफ करने की कोशिश माना जा रहा था, वही कुछ घंटों में उनके बहुजन समाज पार्टी से पूरी तरह बाहर होने की पटकथा बन गई। हम आपको बता दें कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से 'पूरी तरह आजाद' कर दिया है।

खास बात यह है कि मायावती ने यह फैसला आकाश के ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास की घोषणा के तत्काल बाद लिया। यानी जिस शर्त को आकाश की वापसी और राजनीतिक सक्रियता के रास्ते की आखिरी बाधा माना जा रहा था, वह शर्त पूरी हुई, लेकिन नतीजा उम्मीद के ठीक उलट निकला। अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह भावुक संदेश के जरिए राजनीति से संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने साफ कहा कि मायावती का आदेश उनके लिए पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों से ऊपर है। उन्होंने यह भी कहा कि आकाश ने करीब दो दशक मायावती की देखरेख और मार्गदर्शन में बिताए हैं और उनके भीतर मायावती का 'खून' बहता है। सिद्धार्थ ने खुद पर आकाश को प्रभावित या गुमराह करने के आरोपों को भी खारिज किया और कहा कि उनके जैसे सामान्य कार्यकर्ता की इतनी हैसियत ही कहां कि वह आकाश को गुमराह कर सके।

लेकिन बसपा सुप्रीमो के तेवर इससे नरम नहीं हुए। मायावती ने अपने दस सूत्रीय संदेश में साफ कर दिया कि मामला केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी का नहीं है, बल्कि निष्ठा, परिवार और राजनीतिक प्राथमिकताओं का है। उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित से ज्यादा पारिवारिक रिश्तों और निजी हितों को महत्व दे रहे हैं। मायावती का सबसे तीखा सवाल आकाश की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर था। उनका कहना था कि आकाश पहले उनके पोस्ट को लगातार रीपोस्ट करके अपनी राजनीतिक निष्ठा जताते रहे हैं, लेकिन सिद्धार्थ से जुड़े हालिया पोस्ट को उन्होंने रीपोस्ट नहीं किया, जबकि मायावती के मुताबिक वह पोस्ट खुद आकाश के राजनीतिक हित में था।

यहीं से बसपा सुप्रीमो ने आकाश की 'दोहरी मानसिकता' पर सवाल खड़ा कर दिया। उनका तर्क था कि अगर आकाश के लिए पार्टी और बहुजन आंदोलन से ज्यादा अहम पारिवारिक रिश्ते हैं तो फिर वह पार्टी के लिए प्रभावी ढंग से काम कैसे कर सकते हैं? मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के राजनीति छोड़ने के फैसले को सही कदम बताया, लेकिन साथ ही यह भी कह दिया कि फैसला देर से लिया गया। उनका आरोप था कि अगर सिद्धार्थ को अपने दामाद के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की सचमुच चिंता होती तो वह उसी वक्त राजनीति छोड़ने की घोषणा कर देते। देरी को मायावती ने सिद्धार्थ की महत्वाकांक्षा और नीयत पर सवाल उठाने का आधार बनाया।

दरअसल, आकाश आनंद पिछले कुछ वर्षों में बसपा की अगली पीढ़ी के चेहरे के तौर पर तेजी से उभरे थे। मायावती ने उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी थी। लेकिन आकाश की राजनीतिक भूमिका बार-बार बदलती रही। तीन सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाया गया और अब पार्टी से ही 'आजाद' कर दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की आहट तेज हो चुकी है। बसपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि मायावती के बाद पार्टी का चेहरा कौन होगा और संगठन को नई पीढ़ी तक कैसे पहुंचाया जाएगा। आकाश आनंद को इसी संक्रमण का संभावित चेहरा माना जा रहा था। अब उनके बाहर होने से बसपा की उत्तराधिकार की पूरी रणनीति फिर सवालों के घेरे में है।

इस बीच मायावती के छोटे भाई के बेटे ईशान आनंद की हाल के महीनों में उनके साथ बढ़ती मौजूदगी भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे बसपा में अगली पीढ़ी की कमान को लेकर अटकलें और तेज हो सकती हैं।

देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में मायावती का यह फैसला महज एक पारिवारिक विवाद नहीं माना जाएगा। 2027 में मुकाबला बहुकोणीय होने की स्थिति में बसपा का हर फैसला उसके वोट बैंक, संगठन और सोशल इंजीनियरिंग पर असर डालेगा। आकाश जैसे युवा चेहरे की विदाई से पार्टी को जहां नई पीढ़ी से जुड़ने में चुनौती मिल सकती है, वहीं मायावती के सामने अब यह साबित करने की चुनौती होगी कि बसपा किसी एक उत्तराधिकारी के भरोसे नहीं, बल्कि उनके अपने राजनीतिक नियंत्रण और संगठनात्मक ढांचे पर खड़ी है।

फिलहाल संदेश साफ है कि ससुर ने राजनीति छोड़ी, लेकिन दामाद की कुर्सी नहीं बची। और मायावती की बसपा में रिश्ते नहीं, राजनीतिक निष्ठा अंतिम कसौटी है। 2027 के रण में इस फैसले की असली कीमत और असर तब सामने आएगा, जब हाथी मैदान में उतरेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आरटीआई में बड़ा खुलासा : आरी डोंगरी माइंस के 28.94 करोड़ के सीएसआर फंड में 'खर्च', कागजों पर विकास

ज़मीन पर लाल पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

भानुप्रतापपुर। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कच्चे स्थित गोदावरी इस्पात एवं पावर लिमिटेड की आरी डोंगरी लौह अयस्क खदान में सीएसआर की राशि के नाम पर करोड़ों रुपये का घालमेल सामने आया है। सूचना के अधिकार से मिले आधिकारिक दस्तावेजों से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि वर्ष 2009 से 2023 के बीच सीएसआर के मद से 28 करोड़ 94 लाख 1 हजार रुपये खर्च किए जाने का दावा किया गया है, लेकिन धरातल पर प्रभावित ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। माइंस प्रबंधन अपनी मनमर्जी से राशि खर्च कर जिला प्रशासन को केवल कागजी सूची सौंप देता है, वहीं प्रशासनिक अनदेखी के कारण जांच न होने से प्रबंधन के हौसले बुलंद हैं।माइंस की अपनी सड़क और दीवार पर फूंक दिए 8.81 करोड़आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, सीएसआर फंड की सबसे बड़ी चपत खदान के निजी इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगाई गई है। माइंस प्रबंधन ने अपने परिसर के भीतर गाड़ियों की आवाजाही के लिए 2 किलोमीटर की सीसी रोड और रिटेनिंग वॉल का निर्माण कराया, जिस पर 881.93 लाख रुपये खर्च होना दिखाया गया है। नियमतः सीएसआर फंड का मुख्य उद्देश्य प्रभावित ग्रामीणों का विकास होना चाहिए, न कि खदान के अपने व्यावसायिक ढांचे को चमकाना।अस्पताल और एम्बुलेंस के नाम पर 5.64 करोड़ का खेलवर्ष 2009 से 2023 के बीच माइंस प्रभावित गांवों के ग्रामीणों और माइंस में कार्यरत मजदूरों के इलाज व एम्बुलेंस सेवा के नाम पर 564.531 लाख रुपये का खर्च दर्शाया गया है। सवाल यह उठ रहा है कि इतनी भारी-भरकम राशि खर्च होने के बावजूद प्रभावित क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं क्यों नहीं मिल पा रही हैं। डायग्नोस्टिक सेंटरः बोर्ड पर 100 जांचों का दावा, हो रही केवल 4-5, परिचालन पर लुटाए लाखोंभानुप्रतापपुर में डायग्नोस्टिक सेंटर के निर्माण पर 32.33 लाख रुपये खर्च दिखाए गए, जबकि वर्ष 2023 में इसके परिचालन के नाम पर 53.51 लाख रुपये खर्च कर दिए गए। सेंटर के सूचना बोर्ड पर 100 से अधिक प्रकार की बीमारियों की जांच का दावा किया गया है, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि वहां केवल 4 से 5 सामान्य जांच ही हो पा रही हैं। हर साल परिचालन के नाम पर लाखों रुपये का आहरण कर कागजी औपचारिकता पूरी की जा रही है।शिक्षकों के वेतन पर 12-14 लाख सालाना, फिर भी बदहाल शिक्षा दस्तावेजों में यह भी दर्ज है कि शासकीय स्कूलों में शिक्षक रखने और उनके वेतन मद में प्रति वर्ष 12 से 14 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इतने वर्षों तक लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था में कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा है, जिससे इस मद में हुए खर्च पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे है।धरातल की हकीकतः हैंडपंपों और खेतों में ज़हर उगल रहा 'लाल पानी'एक तरफ जहां कागजों में 28.94 करोड़ रुपये बहा दिए गए, वहीं माइंस प्रभावित गांवों के ग्रामीण आज भी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव के हैंडपंपों से प्रदूषित लाल पानी आ रहा है, जिसे पीने से ग्रामीण गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। खदानों से निकलने वाला लाल पानी किसानों के उपजाऊ खेतों में भर रहा है, जिससे फसलें चौपट हो रही हैं और खेत बंजर में तब्दील हो रहे हैं।

भारतीय परंपरा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय से समझाया मानव ऊर्जा एवं आभामंडल का विज्ञान

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वयं से साक्षात्कार' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वामी महेश एवं डॉ. अनिल गुप्ता ने भारतीय परंपरा में वर्णित ऊर्जा, चेतना एवं आभामंडल की अवधारणाओं को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के संदर्भ में समझाया। कार्यशाला में आयोग के सदस्य विवेक गनोदवाले, सचिव सूर्यप्रकाश शुक्ला तथा पावर कंपनीज़ के प्रबंध निदेशक एस.के. कटियार, राजेश कुमार शुक्ला एवं भीम सिंह कंवर विशेष रूप से उपस्थित थे। स्वामी महेश ने भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्णित अपरा विद्या और परा विद्या की जानकारी देते हुए कहा कि अपरा विद्या वह है, जिसे इंद्रियों के माध्यम से देखकर, पढ़कर और समझकर जाना जा सकता है, जबकि परा विद्या का संबंध सूक्ष्म एवं आंतरिक अनुभूति से है। उन्होंने बताया कि आत्मा और मन के माध्यम से शरीर की तंत्रिका प्रणाली तथा इंद्रियों के बीच समन्वय स्थापित होता है। उन्होंने मानव शरीर में वर्णित पंचकोश–अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष और आनंदमय कोष की अवधारणा को भी विस्तार से समझाया। डॉ. अनिल गुप्ता ने मानव शरीर में ऊर्जा के संचार तथा षट्चक्र की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का अपना आभामंडल होता है। आंतरिक ऊर्जा एवं चेतना को विकसित करने की भारतीय परंपरा में चर्चा की गई है। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) गोविन्द पटेल ने किया।

54 वर्षों से अनवरत जारी है महाराष्ट्र मंडल कल्याण समिति की गणेश पूजा परंपरा

किरंदुल। लौह नगरी किरंदुल में महाराष्ट्र मंडल कल्याण समिति द्वारा पिछले 54 वर्षों से गणेश पूजा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आस्था और एकता की यह परंपरा 1972 से निरंतर चली आ रही है। समिति के सदस्य हर वर्ष पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान गणेश की स्थापना कर पूजा-अर्चना करते हैं। गणेश उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और सामाजिक गतिविधियों का भी आयोजन होता है, जिसमें पूरे नगरवासी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। 54 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा किरंदुल में महाराष्ट्रीयन संस्कृति के साथ-साथ सामाजिक सदभाव और एकता की मिसाल बनी हुई है।

बदलाव की कहानी : जंगल की अनिश्चितता से अपने आशियाने तक, सुदु कड़ती की नई शुरुआत

बीजापुर। कभी नक्सली संगठन से जुड़कर जंगलों में अनिश्चित और भयपूर्ण जीवन जीने वाले ग्राम पंचायत फूलगट्टा निवासी सुदु कड़ती ने आज हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और सम्मान की राह अपना ली है। वर्ष 2022 में आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटे सुदु कड़ती अब अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मिले पक्के मकान में सुरक्षित जीवन बिता रहे हैं।जंगल के जीवन से सामान्य जिंदगी की ओरनक्सली गतिविधियों के प्रभाव और सीमित संसाधनों के बीच सुदु कड़ती नक्सली संगठन से जुड़ गए थे। जंगलों में रहते हुए उनका जीवन भय, असुरक्षा और अपनों से दूरी के बीच गुजरता था। समय के साथ उन्होंने महसूस किया कि हिंसा से जीवन की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। सामान्य और सुरक्षित जीवन की इच्छा ने उन्हें आत्मसमर्पण का निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। वर्ष 2022 में आत्मसमर्पण कर उन्होंने हथियार छोड़ने और समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।शासन के सहयोग से बदली जिंदगीआत्मसमर्पण के बाद शासन द्वारा उन्हें आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ा गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत उनका पक्का आवास स्वीकृत हुआ। आवास निर्माण पूरा होने के बाद उनके परिवार को सुरक्षित और स्थायी आशियाना मिला।अब बच्चों को डर नहीं, बेहतर भविष्य देना चाहता हूंअपने अनुभव साझा करते हुए सुदु कड़ती बताते हैं कि जंगल में रहते हुए हर दिन डर और अनिश्चितता के बीच गुजरता था। अपनों से दूर रहने का दर्द भी हमेशा बना रहता था। आत्मसमर्पण के बाद उन्हें लगा कि जिंदगी को नई दिशा दी जा सकती है। वे कहते हैं, आत्मसमर्पण के बाद लगा कि अब जिंदगी बदल सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना से अपना घर मिलने के बाद पहली बार महसूस हुआ कि मेरी भी समाज में एक पहचान है। अब मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे डर नहीं, बल्कि शिक्षा, सम्मान और अच्छे भविष्य के साथ जीवन जिएं। पक्का घर बना सुरक्षित भविष्य की नींवआज सुदु कड़ती अपने परिवार के साथ अपने पक्के घर में नई उम्मीदों के साथ जीवन आगे बढ़ा रहे हैं। उनके जीवन में आया यह बदलाव बताता है कि आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वास, शासन की योजनाओं से जुड़ाव और विकास के अवसर व्यक्ति को नई दिशा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण उनके लिए सिर्फ एक पक्का मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायी जीवन की नई शुरुआत का आधार बनी है।

मानव संसाधन विभाग के नए विभागाध्यक्ष का बीएमएस द्वारा किया गया अभिनन्दन

किरंदुल। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा एनएमडीसी लिमिटेड किरंदुल परियोजना के मानव संसाधन विभाग के नव पदस्थ विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक सुधांशु वर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, राजेंद्र यादव, लक्ष्मीकांत पोयाम, सुरेश ठाकुर, धर्मेंद्र सिन्हा, नितेश विश्वकर्मा, सुधा बाघ, सूरमा दास दिव्या चुन्नम द्वारा महाप्रबंधक (मानव संसाधन) का स्वागत पुष्पगुच्छ तथा भारतीय मजदूर संघ के पारंपरिक एवं सम्मान के प्रतीक गमछा से किया गया।

नगर पालिका ने रूद्राष्टक युवा समिति को सौंपी सामग्री सदस्यों में हर्ष

किरंदुल। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद किरंदुल द्वारा वार्ड क्रमांक 2, लक्ष्मणपुर कैंप स्थित 'श्री रूद्राष्टक युवा समिति' को धार्मिक व सामाजिक आयोजनों के संचालन हेतु आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। नगर पालिका की इस पहल से समिति के सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिला। नगर पालिका की ओर से समिति को साउंड सिस्टम, साउंड मिक्सर, इक्वालाइजर सिस्टम, कुर्सियां, टेबल और गैस चूल्हा सहित अन्य उपयोगी सामान सौंपा गया। सामग्री वितरण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, वार्ड पार्षद गिरिजा विश्वकर्मा, इला पटेल, राजकुमार सोनी, जयदीप माकन, आरसी नाहक, एल्डरमैन संजीव दास तथा कैंप के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष ओम ठाकुर ने आभार व्यक्त किया जिसमें समिति के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

गिने चुने लोगों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक, उठ रहे सवाल

धमतरी। जिला बनने के बाद से कुछ महत्वपूर्ण त्यौहारों एवं अवसरों पर शांति समिति बैठक बुलाने की परंपरा रही है जिसमें विधायक, महापौर, शहर के गणमान्य, समाजसेवी संगठनों, पार्षदों एवं मीडिया कर्मियों की एक सूची बनाकर उन्हें फोन द्वारा शांति समिति की बैठक में आने बुलाया जाता था। लेकिन यह प्रक्रिया लगभग समाप्त हो गई है। इसके पीछे जिले के एक अधिकारी की प्रमुख भूमिका है। उनकी ऐसी सोच है कि शांति समिति की बैठक में मीडिया कर्मियों एवं शहर के वरिष्ठ नागरिकों को बैठक में आमंत्रित नहीं करना चाहिये, यही कारण है कि बीते दिनों हुई बैठक में 10 से 15 लोगों की उपस्थिति में कई महत्वपूर्ण निर्णय ले लिये गये जिससे शहर में चर्चा आम है कि अधिकारियों ने शांति समिति की बैठक को मात्र औपचारिकता बना लिया है। अब इस प्रक्रिया के स्वरूप को छोटे स्तर में कर दिया गया है जो गिने चुने लोगों की उपस्थिति में उक्त शांति समिति की बैठक आयोजित की जा रही है जिससे पता चलता है कि शांति समिति पुरानी बड़ी समितियों के सदस्यों को आमंत्रित नहीं किया गया है। खबर के मुताबिक पिछले दिनों शांति समिति की बैठक गणेश पर्व आदि पर्व के लिये बुलाई गई थी जिसमें चंद लोग उपस्थित रहे और इन्हीं की उपस्थिति में सारे निर्णय ले लिये गये। एक अधिकारी ने तो मीडिया कर्मियों को इसमें आमंत्रित नहीं करने की बात कहते हुए अपने कार्यकाल के दौरान मीडिया कर्मियों को इस समिति से दूर रखकर एकला चलो नीति अख्तियार की है। खबर के मुताबिक पिछले शांति समिति के बैठक में एक मीडिया कर्मी उक्त समिति की बैठक में पहुंचा था, इसे भी बाहर कर दिया गया जबकि शांति समिति के द्वारा लिये गये निर्णय को मीडिया ही प्रचारित, प्रसारित करती है जिससे आम लोगों को प्रशासन द्वारा लिये गये निर्णय को जन-जन तक पहुंचाया जाता आ रहा है। शांति समिति की बैठक को लेकर पूर्व में पदस्थ रहे अनेक आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों ने मीडिया को आमंत्रित करने के लिये बकायदा निर्देश जारी किया था। यहां तक जिला एवं पुलिस प्रशासन के पास शांति समिति के पुराने सदस्यों की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त मौजूद है जिसमें गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में ही समिति द्वारा सर्वसमिति से निर्णय लिया जाता रहा और उक्त बैठक में लिये गये निर्णय को आमजन तक पहुंचाने के लिये मीडिया के साथियों ने अपना भरपूर सहयोग किया। पूर्व वर्षों में शांति समिति की बैठक पुराने जनपद भवन में आयोजित की जाती रही है जिसमें विधायक, महापौर, पार्षद, समाजसेवी संगठनों के सदस्यों को आमंत्रित कर प्रशासन द्वारा लिये गये निर्णय की जानकारी देते हुए उनसे भी सलाह-मशविरा लिया जाता रहा है। इस बैठक में उपस्थित कुछ समाजसेवी संगठनों द्वारा अपनी बात रखवाई जाती रही जिसे समाहित करते हुए शांति समिति द्वारा निर्णय लिया जाता था परंतु अब देखा जा रहा है कि शांति समिति के सैकड़ों सदस्यों को न बुलाकर गिनु-चुने लोगों को बुला लिया जाता है। पिछले दिनों जो बैठक हुई, उसमें अधिकारी ज्यादा थे, समाजसेवी संगठन के सदस्यों की उपस्थिति कम देखी गई जिसे लेकर शहर के जागरूक नागरिकों ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पुराने समय में बनाई गई सूची आज भी कुछ लोगों के पास उपलब्ध है जिसमें लिये गये निर्णय के पश्चात उपस्थित आईएएस, आईपीएस अधिकारियों के हस्ताक्षर बने हुए है। यह बैठक नगर पालिका परिषद के सभा हॉल में हुई थी जिसमें शहर में घूमने वाले आवारा मवेशियों सहित यातायात को सुदृढ़ एवं सुगम बनाने का निर्णय लिया गया था। इसके पश्चात जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन द्वारा अलग अलग स्थलों में शांति समिति की बैठकें ली जाती रहीं और इनके सदस्यों को सम्मानपूर्वक बुलाया जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है जिससे पुराने सदस्यों के मध्य एक नाराजगी देखी जा रही है। शहर के जागरूक नागरिकों ने जिला, पुलिस प्रशासन से कहा है कि 40 वार्डों के हिसाब से प्रत्येक वार्ड के 2 सदस्यों को बुलाया जाना चाहिये जो उस वार्ड की जिम्मेदारी तथा कोई भी अप्रिय घटना घटे तो उसकी सूचना संबंधित थाना क्षेत्रों में दे सके। इसके अतिरिक्त अन्य सदस्य जैसे विधायक, महापौर, पूर्व विधायक, पूर्व महापौर, पार्षद, गणमान्य नागरिक, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी आमंत्रित किया जाना चाहिये था किंतु इन सबकी अनदेखी करते हुए उक्त बैठक की इतिश्री कर दी गई। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जो बैठक पिछले दिनों हुई उसमें अधिकारी ज्यादा, नागरिक कम देखे गये और सारे निर्णय एकतरफा ले लिया गया जिससे भी शहर में नाराजगी देखी जा रही है। शांति समिति की बैठक में कुछ अधिकारियों को मीडिया के लोगों के आने से समस्या हो जाती है, किंतु इन्हें मालूम नहीं कि इससे पहले की बैठकों में इन्हें आमंत्रण देकर बुलाया जाता था, जिससे प्रशासन का निर्णय आम लोगों के बीच अखबारों एवं चैनलों के माध्यम से पहुंचाया जा सके। त्यौहारों एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए एक तरफा यातायात लागू करने का निर्णय पिछली बैठक में लिया गया। हालांकि इस बैठक में महापौर रामू रोहरा ने दशहरा तथा अगले वर्ष जन्माष्टमी का आयोजन परेड ग्राउंड में कराने की बात कही जिस पर सभी लोगों ने अपनी सहमति दी। इस तरह उक्त बैठक में अनेक निर्णय लिये गये हैं और पुराने सदस्यों की अनुपस्थिति में यह सब कार्य किया गया है जो जनचर्चा का विषय बना हुआ है।

धूमधाम से मनाया गया राधा अष्टमी पर्व

किरंदुल। किरंदुल बंगाली कैंप में राधा अष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष श्रृंगार एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। राधा रानी के जन्मोत्सव पर महिलाओं ने व्रत रखकर पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

जैन समाज का तपस्या मार्ग सबके लिए प्रेरणादायक: रंजना साहू

धमतरी। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा आयोजित आत्म स्पर्शी चातुर्मास 2026 के तहत तप वर्धामणा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

महोत्सव के दूसरे दिन सुबह जैन समाज का भव्य बरघोड़ा निकाला गया। बरघोड़ा श्री पार्श्वनाथ जिनालय से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शांति वाटिका पहुंचा। बरघोड़ा में पंच परमेष्ठी श्रेणी तप के सभी तपस्वी रत्न, गुरुकृपा तप के तपस्वी सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष और युवा शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और भक्ति नारों के साथ पूरा वातावरण धर्ममय हो गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने बरघोड़ा का स्वागत किया। उन्होंने तपस्वियों का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर रंजना साहू ने कहा कि जैन धर्म त्याग और तपस्या का प्रतीक है। तप से आत्मा की शुद्धि होती है और समाज को नई दिशा मिलती है। जैन समाज द्वारा की जा रही यह कठोर तपस्या हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। पूज्य साध्वी रत्न निधि श्रीजी की निश्रा में यह चातुर्मास महोत्सव बहुत ही पुण्यदायी है। उन्होंने सभी तपस्वियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारतीय मजदूर संघ ने धामधाम से मनाया भगवान विश्वकर्मा की जयंती

दल्लीराजहरा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री और खदान मजदूर संघ भिलाई संबद्ध भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर खदान मजदूर संघ भिलाई के कार्यालय भवन में पूजा अर्चना किया गया। उसके पश्चात वहां उपस्थित सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने कहा की। भारतीय चिंतन में श्रम केवल पारिश्रमिक के लिए किया जाने वाला शारीरिक परिश्रम नहीं है; यह सामाजिक समर्पण और ईश्वरोपासना है। श्रम ही साधना है और राष्ट्र के लिए कार्य करना जैसे उदात्त संकल्पों को ध्यान में रखते हुए ही 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती को भारतीय मजदूर संघ ने राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में घोषित किया। पश्चिमी वर्ग-संघर्ष सिद्धांतों पर आधारित मई दिवस के विकल्प के रूप में, श्रमिक, स्वामी और राष्ट्र के बीच परस्पर पूरक संबंधों की नींव इसी भारतीय दृष्टिकोण ने रखी है। 1897 में शिकागो भाषण के बाद भारत लौटने पर, स्वामी विवेकानंद ने कोलंबो से अल्मोड़ा तक के अपने भाषणों में भारत के वास्तविक उत्थान को लेकर एक प्रमुख दर्शन सामने रखा था। स्वामीजी ने स्मरण कराया था कि भावी भारत का उदय किसान की कुटिया से, मछुआरे की झोपड़ी से और सुदूर गांवों से होना चाहिए। यही संकल्प पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानवदर्शन' और बी.एम.एस. द्वारा प्रस्तुत 'अंत्योदय' की दृष्टि में भी झलकता है। समाज के अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक जब विकास का लाभ पहुंचेगा, तभी यह कहा जा सकता है कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने और जीडीपी के ऊपर जाने का वास्तविक प्रतिबिंब प्रत्येक श्रमिक के पारिवारिक जीवन और उसकी रसोई में दिखाई देना चाहिए। श्रम क्षेत्र आज जिन सबसे खतरनाक संकटों का सामना कर रहा है, उनमें से एक है श्रमिकों की उचित समस्याओं की आड़ में चलने वाले गुप्त एजेंडे। कुछ निहित स्वार्थी तत्व औद्योगिक अशांति पैदा करके देश की आर्थिक नींव को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। ये लोग हड़तालों और विरोध-प्रदर्शनों को उद्योग बंद कराने, रोजगार के अवसर समाप्त करने और विकास को ठप्प करने का हथियार बना रहे हैं। बुद्धिजीवी बनकर परिसरों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और यूनियनों में घुसपैठ करने वाले 'दिमागी नक्सल' (अर्बन नक्सल) गठजोड़ की विध्वंसक चालों को श्रमिक समाज को पहचानना होगा। किसानों और श्रमिकों की स्वाभाविक शिकायतों को गलत दिशा में मोड़कर देशविरोधी भावनाओं को भड़काना इनकी शैली है। श्रमिकों का हित नहीं, बल्कि व्यवस्था और प्रशासनिक तंत्र को अस्त-व्यस्त करना ही इन शक्तियों का उद्देश्य है। इसलिए, केवल वर्ग-संघर्ष के नाम पर विनाश फैलाने वाले संगठनों को पहचानकर, देशभक्ति को सर्वोपरि रखने वाले श्रमिक संगठनों में दृढ़ विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। देशहित को ध्यान में रखते हुए श्रमिक हित की रक्षा का बी.एम.एस. का रुख यहीं प्रासंगिक हो जाता है। हमें इस वास्तविकता को स्वीकारना होगा कि यदि राष्ट्र नहीं है तो उद्योग नहीं है, और यदि उद्योग नहीं है तो श्रमिक भी नहीं है।आज उद्योग जगत एक बड़े संरचनात्मक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। जहां कई पारंपरिक उद्योग बंद हो रहे हैं, वहीं बाजार में उत्पादों की कोई कमी नहीं है। आधुनिक मशीनीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण उत्पादन बढ़ रहा है और साथ ही मनुष्यों के रोजगार के अवसर घट रहे हैं, जिससे 'रोजगारविहीन विकास' का एक बड़ा संकट उत्पन्न हो रहा है। यह केवल सरकार का विषय नहीं है; यह श्रमिक संगठनों और संपूर्ण समाज के संयुक्त रूप से चर्चा करने योग्य एक राष्ट्रीय विषय है। इन परिवर्तनों का सामना करने के लिए श्रमिकों को समय के साथ अपने कौशल का विकास करना होगा। नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना और निरंतर सीखना श्रमिकों की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। आईटी क्षेत्र में शोषणः काम के अनियंत्रित घंटे, मानसिक तनाव और नौकरी की असुरक्षा आईटी क्षेत्र में गंभीर हैं। प्रवासी श्रमिक : सुरक्षित आवास, समान वेतन और स्वास्थ्य बीमा अभी भी इनके लिए सुनिश्चित किया जाना बाकी है। असंगठित क्षेत्रः भारत के श्रम बल का अधिकांश हिस्सा असंगठित क्षेत्र से है, जहां रोजगार की स्थिरता, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन व्यवस्था अत्यंत गंभीर विषय हैं।कार्य सुरक्षा और स्वाभाविक न्याय सुनिश्चित करने के लिए श्रमिकों का सशक्त रूप से संगठित होना इस समय की अनिवार्य आवश्यकता है। नई पीढ़ी को श्रमिक गतिविधियों का दायित्व संभालना चाहिए और राष्ट्रहित के साथ खड़े रहकर श्रमिक आंदोलन का नेतृत्व करना चाहिए। बी.एम.एस. का दृष्टिकोण यह है कि श्रमिक और नियोक्ता आपस में लड़ने वाले शत्रु नहीं है, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए एक साथ खड़े होने वाले साझेदार है। 'रिस्पॉन्सिव कोऑपरेशन' (सकारात्मक सहयोग) की नीति के माध्यम से श्रमिक, मालिक और समाज को आपसी समन्वय और सहमति से आगे बढ़ना चाहिए। देश के विकास में श्रमिकों की भूमिका निर्णायक है; इसलिए उनके उचित अधिकारों का हनन करने वाले किसी भी रुख के बी.एम.एस. पक्ष में नहीं है। नए लेबर कोड लागू करते समय श्रमिकों के अधिकारों और कार्य सुरक्षा का पूर्ण रूप से संरक्षण होना चाहिए। संगठन का स्पष्ट रुख है कि इसमें कोई भी श्रमिक-विरोधी प्रावधान नहीं होना चाहिए। उम्मीद है कि बी.एम.एस. द्वारा सरकार के समक्ष रखी गई उचित मांगों और चिंताओं को पूरी तरह समझकर सरकार आवश्यक संशोधन करेगी। भारतीय चिंतन की वैश्विक विजयः विश्व मंचों पर बी.एम.एस. को मान्यता आज बी.एम.एस. के दृष्टिकोण को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिल रही है। यह वह दौर है जब कम्युनिस्ट नियंत्रण वाले वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (डब्ल्यूएफटीयू) जैसे संगठनों की प्रासंगिकता समाप्त हो रही है। इसके विपरीत, संघर्ष-मुक्त भारतीय श्रम दर्शन को दुनिया अपना रही है।

संक्षिप्त समाचार

सेवा-सेतु पोर्टल की सेवाओं को सुगम बनाने प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का सुगम, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना कार्यालय गौरेला के सभाकक्ष में सेवा-सेतु पोर्टल की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण के दौरान सेवा-सेतु पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं के संचालन, आवेदन प्रक्रिया एवं नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान करने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वर्तमान में सेवा-सेतु पोर्टल पर 900 से अधिक सेवाएं एवं 39 विभाग सम्मिलित हैं, जिसके माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा रहा है।

सेवा संकल्प के तहत विद्यार्थियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

बिलासपुर। सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में विद्यार्थियों की सहभागिता से 'सपनों का भारत-विकसित भारत' की संकल्पना को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 300 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए विद्यालय, घर, आसपास के क्षेत्र और शहर को स्वच्छ रखने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों को बताया गया कि विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक और तकनीकी प्रगति से नहीं, बल्कि स्वच्छ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से संभव है। बच्चों को स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे अपने व्यवहार और दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों से अपने घर और विद्यालय के साथ सार्वजनिक स्थलों को भी स्वच्छ रखने तथा परिवार और समाज के अन्य लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। बच्चों को बताया गया कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं और उनके विचार, व्यवहार तथा जिम्मेदारियां भारत के विकास की दिशा तय करेंगी। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में जनसेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता का संकल्प विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बारिश में खराब सड़कों पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने जताई नाराजगी, 15 अक्टूबर तक सुधारने के दिए निर्देश

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, मंडलों के अधीक्षण अभियंताओं और संभागों के कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर प्रदेशभर में सड़कों और पुलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बारिश में सड़कों की खराब स्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी क्षतिग्रस्त सड़कों व पुलों की मरम्मत 15 अक्टूबर तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त ऐसे सभी नए कार्यों जिनकी निविदा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनके निर्माण 15 अक्टूबर से युद्धस्तर पर प्रारंभ करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल और प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। सभी संभागों के कार्यपालन अभियंता वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक में जुड़े। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में सड़कों की मरम्मत की पुख्ता कार्ययोजना तैयार कर बरसात के बाद तत्काल क्षतिग्रस्त सड़कों को सुधारने के निर्देश दिए। सभी संभागों को मांग के अनुसार मरम्मत और संधारण के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। उन्होंने इसके लिए तत्काल निविदा कर एजेंसी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को अगले दो-तीन दिनों में अपने कार्यक्षेत्र का भ्रमण कर सड़कों और पुलों की स्थिति जांचने को कहा। उन्होंने सड़कों, पुलों और डिवाइडर्स की मरम्मत के साथ ही उनकी साफ-सफाई एवं रंगाई-पुताई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को सप्ताह में दो-तीन दिन फील्ड में रहने को कहा। श्री साव ने निविदा की प्रक्रिया पूर्ण हो चुके सभी कार्यों को आगामी 15 अक्टूबर से पूरी गति से शुरू करने के निर्देश दिए।

अभियंता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया

छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान,बिलासपुर में अभियंता दिवस समारोह का आयोजन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सी. जी. आई. टी.) बिलासपुर में आज दिनांक 15 सितंबर 2026 को भारत के महान अभियंता एवं भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर अभियंता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था के एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यगण अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई ने की। प्राचार्य ने किया अतिथियों का स्वागत- संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों की उपस्थिति को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि पूर्व छात्रों के अनुभव एवं मार्गदर्शन से वर्तमान विद्यार्थियों को अपने करियर एवं भविष्य की दिशा निर्धारित करने में सहायता मिलती है। प्रतिमा पर माल्यार्पण- कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था परिसर में स्थापित भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंघई एवं उपस्थित एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर महान अभियंता के योगदान को स्मरण करते हुए इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके आदर्शों एवं मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।एलुमनाई सदस्यों ने साझा किए अनुभव एवं प्रेरणादायक विचार - कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वर्ष 1977 मैकेनिकल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र डॉ. टी. पी. एस. अरोड़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ꣳ) विभिन्न कानूनी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए लाभदायक हो सकती है, लेकिन पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान एवं मानव मस्तिष्क की क्षमता का महत्व सदैव बना रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन एवं ज्ञानार्जन के लिए प्रेरित

किया। वर्ष 1977 सिविल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र इंजी. अनिल व्यास ने अभियंताओं द्वारा अर्जित जीवन-मूल्यों एवं नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संदेश दिया। वर्ष 1981 मैकेनिकल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र डॉ. बी. एस. चावला ने अपने जीवन एवं कार्यक्षेत्र से जुड़े अनुभवों तथा प्रेरणादायक संस्मरणों को साझा किया। उनके अनुभवों ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक जीवन एवं पेशेवर विकास के लिए प्रेरित किया। वर्ष 1982 सिविल इंजीनियरिंग बैच के पूर्व छात्र इंजी. सुधीर गुप्ता ने महाविद्यालय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों एवं इंजीनियरिंग छात्रों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक प्रगति करने तथा तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन के अन्य सम्मानित सदस्य इंजी. आर. पी. पटेल (सिविल, 1982), इंजी. दुलीचंद अग्रवाल (सिविल, 1982), इंजी. गोपाल सिंह ठाकुर (सिविल, 1992) एवं इंजी. कृतिका अग्रवाल (मैकेनिकल, 2015) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अभियंताओं के योगदान, तकनीकी शिक्षा के महत्व एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य डॉ एस. के. सिंघई की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में, डॉ जी के अग्रवाल, डॉ सीमा चौहान, डॉ के के सक्सेना, डॉ अवनीश सहित समस्त विभागाध्यक्षों एवं समस्त प्राध्यापकों, अधिकारीयों एवं कर्मचारियों तथा समस्त छात्र छात्राओं की उपस्थिति आयोजित में संपन्न हुई।

लाखों की लागत सीसी सड़क से गायब हुआ सीमेंट, 17 माह में उखड़ी गिट्टियां

■ डीएमएफमद से 20 लाख रुपये की लागत से हुआ था निर्माण, गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल?

सूरजपुर संवाददाता। विकासखंड भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसापारा में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से स्वीकृत 20 लाख रुपये की लागत वाली सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़क अपनी निर्माण अवधि के करीब 17 महीने बाद ही बदहाल नजर आ रही है। दुर्गा पंडाल (मंदिर) कुम्हारपारा पहुँच मार्ग पर बनी इस सड़क की ऊपरी सतह से सीमेंट पूरी तरह गायब हो चुका है और सिर्फ धूल तथा खुली गिट्टियां बिखरी पड़ी हैं। सूचना पट्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 20 लाख रुपये की लागत से इस कार्य को स्वीकृति मिली थी। निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत बांसापारा द्वारा यह कार्य 4 नवंबर 2024 को प्रारंभ कर 2 अप्रैल 2025 को पूर्ण दर्ज किया गया, जिसका कुल मूल्यांकन 19 लाख 99 हजार 535 रुपये किया गया है। कार्य पूर्णता के बाद आज लगभग 17 माह (535 दिन) बीत चुके हैं, लेकिन वर्तमान में सड़क की स्थिति किसी कच्ची डगर जैसी बन चुकी है। राहगीरों को फिसलने का खतरा, तकनीकी जांच की मांग- स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान निर्धारित तकनीकी मापदंडों और सीमेंट के सही अनुपात की अनदेखी की गई, जिसके कारण पहली-दूसरी बारिश और हल्के आवागमन में ही कंक्रीट की पकड़ छूट गई। सड़क पर बिखरी नुकीली गिट्टियों के कारण दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के फिसलने व चोटिल होने का खतरा बना हुआ है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मल्हनिया जलाशय में जल जनसेवा संकल्प कार्यक्रम

■ जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश, स्वच्छता अभियान के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गौरेला विकासखंड के ग्राम देवरगांव स्थित मल्हनिया जलाशय में जल जन सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण जागरूकता रैली एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की सहभागिता रही। जागरूकता रैली के माध्यम से जल के महत्व, जलस्रोतों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान जलाशय एवं उसके आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान संचालित कर स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। जल जन सेवा संकल्प के अंतर्गत आयोजित इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जलस्रोतों की स्वच्छता एवं सुरक्षा को बढ़ावा देना है। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जल संरक्षण और स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए नागरिकों से इन गतिविधियों में निरंतर सहयोग एवं सहभागिता की अपील की। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में जनहितकारी गतिविधियों को गति देते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संवर्धन के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

बालक स्कूल रामानुजनगर के दो विद्यार्थियों का संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन

■ विद्यालय के साथ ग्राम पंचायत रामानुजनगर का नाम किया गौरवान्वित

रामानुजनगर। दिनांक 18 सितंबर 2026 को शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेल विधाओं की प्रतियोगिताएँ खेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुईं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के दो विद्यार्थियों ने अंडर-19 कबड्डी प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर स्थान बनाया।विद्यालय के कक्षा 12वीं के विद्यार्थी अभिषेक कुमार सिंह एवं कक्षा 11वीं के विद्यार्थी सतंत्र सिंह का संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल कौशल, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय के साथ-साथ ग्राम पंचायत रामानुजनगर का नाम भी गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में विद्यालय के खेल प्रभारी श्याम सिंह मरावी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए प्रभावी खेल रणनीति तैयार कर विद्यालय स्तर से ही नियमित अभ्यास एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसका परिणाम जिला स्तरीय प्रतियोगिता में देखने को मिला।विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी ने चयनित दोनों विद्यार्थियों एवं खेल प्रभारी को बधाई देते हुए संभाग स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इस उपलब्धि पर संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता सीमा दुबे, विकास नामदेव, गोपाल सिंह, दिलीप शर्मा, नरेश गुप्ता, सुनील गुप्ता, अर्चना दुबे, नीलिमा बड़ा, श्रुति साहू, आशा बरवा, किरण मिश्रा, मंजरी तिवारी, शिक्षक प्रकाश कुमार जोल्हे, बिहारी लाल साहू, नवीन राठौर, वर्षा सिंह, पुष्पेंद्र ठाकुर, योगेश साहू एवं विकास देवांगन ने चयनित विद्यार्थियों एवं खेल प्रभारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।दोनों विद्यार्थियों के संभाग स्तर पर चयन की खबर से विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों में हर्ष का माहौल है।विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि दोनों खिलाड़ी संभाग स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं रामानुजनगर का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे।

मोटरयान अधिनियम और सड़क सुरक्षा पर विशेष जागरूकता शिविर आयोजित

■ अधिवक्ताओं, न्यायिक कर्मचारियों एवं लिपिकों की लर्निंग लाइसेंस प्रक्रिया हुई पूरी

सूरजपुर संवाददाता/ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर, जिला अधिवक्ता संघ सूरजपुर एवं परिवहन विभाग सूरजपुर के संयुक्त तत्वावधान में मोटर वाहन अधिनियम एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन जिला न्यायालय परिसर सूरजपुर में किया गया। शिविर में मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों, यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण एवं अधिवक्ता लिपिकगण को जागरूक किया गया। इस अवसर पर पात्र प्रतिभागियों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने की कार्यवाही भी परिवहन विभाग के सहयोग से पूरी की गई। शिविर के दौरान कुल 83 लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस बनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर श्री थॉमस एक्का के मार्गदर्शन एवं सचिव सुश्री पायल टोपनो के निर्देशन में किया गया। शिविर के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री थॉमस एक्का, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री पायल टोपनो तथा जिला अधिवक्ता संघ सूरजपुर के अध्यक्ष सहित अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण एवं अधिवक्ता लिपिकगण उपस्थित रहे। शिविर में परिवहन विभाग द्वारा लाइसेंस संबंधी आवश्यक प्रक्रिया एवं यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दी गई। इस पहल से न्यायालय परिसर से जुड़े लोगों को सुविधाजनक रूप से लाइसेंस प्राप्त करने के साथ ही सड़क सुरक्षा एवं जिम्मेदार वाहन संचालन के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक,रंगोली,ड्रॉइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से विकसित भारत का संदेश

■ युवा शक्ति की भूमिका, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता के साथ विकसित भारत की कल्पना को विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, जनजागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रानी दुर्गावती चौराहा गौरेला के पास आईटीआई गौरेला एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं रंगोली के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं पच्चीस करोड़ बच्चों के सपनों का भारत थीम के तहत जिले के शासकीय एवं निजी सहित सभी 905 विद्यालयों में ड्रॉइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विकसित भारत की अपनी कल्पना को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती चौराहा में आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बालिकाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा भाव, नमो गाथा तथा देश को समृद्ध, सशक्त एवं मजबूत राष्ट्र बनाने में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की

दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। साथ ही स्वच्छता अपनाने, पानी एवं बिजली की बचत करने, पर्यावरण संरक्षण, मेहनत और लगन से आगे बढ़ने तथा एकता एवं भाईचारे को मजबूत बनाने के प्रति जागरूक किया गया। रंगोली के माध्यम से भी सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया।

905 विद्यालयों में ड्रॉइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से विकसित भारत की कल्पना का प्रदर्शन

पच्चीस करोड़ बच्चों के सपनों का भारत के अंतर्गत जिले के सभी 905 शासकीय एवं निजी विद्यालयों में आयोजित ड्रॉइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और विचारों के माध्यम से विकसित भारत के सपने को चित्रों एवं भाषणों में अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छ एवं सुंदर भारत, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक शिक्षा, तकनीकी प्रगति, आत्मनिर्भरता, सामाजिक एकता और सशक्त राष्ट्र की अपनी परिकल्पना प्रस्तुत की। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से जिले के बच्चों एवं युवाओं ने सेवा, समर्पण, अनुशासन और सहभागिता के साथ विकसित एवं सशक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

डाइनिंग एरिया को साफ रखना बहुत जरूरी

घर की डाइनिंग टेबल सिर्फ खाना खाने के काम नहीं आती। परिवार के लोग अक्सर इसी जगह बैठकर साथ में खाना खाते हैं और दिनभर की बातें भी करते हैं। इसलिए डाइनिंग एरिया को साफ और व्यवस्थित रखना काफी जरूरी होता है। वास्तु की मान्यताओं में भी घर के इस हिस्से को खास माना गया है। बाबा बिमलेश के अनुसार, डाइनिंग टेबल पर रखी चीजों का भी घर के माहौल पर असर माना जाता है। कुछ चीजें यहां रखना अच्छा माना जाता है, जबकि कुछ सामान को डाइनिंग टेबल से दूर रखना बेहतर होता है। अगर आप भी अपने घर की डाइनिंग टेबल को सुंदर और व्यवस्थित रखना चाहते हैं, तो इन आसान बातों का ध्यान रख सकते हैं।

ताजे फूलों से सजाएं डाइनिंग टेबल

डाइनिंग टेबल पर एक छोटा और सुंदर फूलदान रखा जा सकता है। इसमें ताजे गुलाब, गेंदा या अपनी पसंद के दूसरे फूल सजाए जा सकते हैं। इससे टेबल देखने में सुंदर लगती है और खाने की जगह भी अच्छी महसूस होती है। वास्तु की मान्यताओं में ताजे फूलों को अच्छा माना जाता है। हालांकि, फूलों के मुरझाने के बाद उन्हें टेबल पर लंबे समय तक नहीं रखना चाहिए। समय-समय पर फूल बदलते रहें, ताकि टेबल हमेशा साफ और सुंदर दिखाई दे।

कांच के बर्तन में रखें साफ पानी

डाइनिंग टेबल पर कांच के एक सुंदर बर्तन में साफ पानी रखना भी वास्तु की कुछ मान्यताओं में अच्छा माना जाता है। इसे साफ-सफाई और अच्छे माहौल से जोड़कर देखा जाता है। अगर आप टेबल पर पानी का बर्तन रखते हैं, तो उसमें रोज ताजा पानी भरें। कई दिनों तक एक ही पानी रखने से बचें। छोटा और साफ बर्तन डाइनिंग टेबल की खूबसूरती भी बढ़ा सकता है।

फलदानी में रखें ताजे फल

डाइनिंग टेबल पर फलदानी रखना भी एक अच्छा विकल्प है। इसमें रोज इस्तेमाल होने वाले ताजे फल रखे जा सकते हैं। सेब, केला, संतरा, अंगूर जैसे फल टेबल पर अच्छे लगते हैं। वास्तु की मान्यताओं में फलों को भरपूरता और खुशहाली से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए फलदानी को ताजे फलों से सजाकर रखना अच्छा माना जाता है। बस ध्यान रखें कि कोई फल ज्यादा पक गया हो या खराब होने लगा हो, तो उसे तुरंत हटा दें।

डाइनिंग टेबल को रखें साफ

डाइनिंग टेबल पर कोई भी चीज रखने से पहले उसकी साफ-सफाई पर ध्यान देना जरूरी है। खाना खाने के बाद प्लेट, गिलास, खाली पैकेट और इस्तेमाल किए हुए टिश्यू टेबल पर छोड़ने से बचें। टेबल जितनी साफ और व्यवस्थित होगी, डाइनिंग एरिया उतना ही अच्छा लगेगा। कोशिश करें कि जरूरत से ज्यादा सामान यहां जमा न हो। कम सामान के साथ साफ टेबल ज्यादा सुंदर दिखाई देती है।

डाइनिंग टेबल पर ये सामान रखने से बचें

डाइनिंग टेबल को घर की दूसरी चीजें रखने की जगह नहीं बनाना चाहिए। बिल, चाबियां, पुराने कागज, दवाइयां, मोबाइल चार्जर और दूसरी रोजमर्रा की चीजें यहां रखने से बचें। बहुत ज्यादा सजावटी सामान भी टेबल पर रखने की जरूरत नहीं है। डाइनिंग टेबल का इस्तेमाल खाने और परिवार के साथ बैठने के लिए हो, तो जगह ज्यादा आरामदायक और व्यवस्थित रहती है।

छोटी-सी बात का रखें ध्यान

डाइनिंग टेबल पर चीजें रखते समय सबसे जरूरी बात है कि वहां साफ-सफाई और व्यवस्था बनी रहे। ताजे फूल, साफ पानी और ताजे फल जैसी चीजें टेबल को सुंदर बना सकती हैं। वहीं रोजमर्रा का बिखरा सामान टेबल की खूबसूरती कम कर सकता है। इसलिए वास्तु की मान्यताओं के साथ-साथ अपनी रोज की आदतों पर भी ध्यान दें। साफ, सुंदर और व्यवस्थित डाइनिंग टेबल परिवार के साथ बैठने के समय को और अच्छा बना सकती है।

अनुपयोगी सामान घर में जमा करके रखना शुभ नहीं

अक्सर लोग अलमारी, स्टोर रूम या बेड के नीचे ऐसे कपड़े रख देते हैं, जिनका लंबे समय से इस्तेमाल नहीं किया गया है। इनमें कुछ कपड़े पुराने होते हैं, तो कुछ फटे या खराब हो चुके होते हैं। वास्तु शास्त्र में घर में बेवजह पुराने और अनुपयोगी सामान जमा करके रखने को शुभ नहीं माना जाता है। माना जाता है कि इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है ऐसे कपड़ों को समय-समय पर छांटकर अलग कर देना बेहतर माना जाता है। पुराने और खराब कपड़ों को राहु और शनि से भी जोड़ा जाता है। माना जाता है कि इन्हें घर में लंबे समय तक रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। पुराने कपड़ों का क्या करें?

घर में पुराने कपड़े इस दिशा में रखें

अगर कुछ पुराने कपड़े अच्छी स्थिति में हैं और भविष्य में उनका इस्तेमाल करना है, तो उन्हें व्यवस्थित तरीके से रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कपड़ों की अलमारी या ट्रंक में दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखना 'चाहिए।

फटे और खराब कपड़े हटाएं

जिन कपड़ों की सिलाई उधड़ चुकी है, रंग पूरी तरह खराब हो गया है या जिन्हें पहनना संभव नहीं है, उन्हें अलमारी में जमा करके न रखें। ऐसे कपड़ों को अलग कर देना या उचित तरीके से रिसाइकल करना बेहतर है।

पुराने कपड़ों का जरूरतमंदों को दान करें

जो कपड़े अच्छे हैं, लेकिन अब इस्तेमाल में नहीं आते, उन्हें जरूरतमंदों को दान किया जा सकता है। धार्मिक मान्यताओं में शनिवार या अमावस्या के दिन पुराने लेकिन अच्छे कपड़ों का दान करना शुभ माना जाता है।

पुराने कपड़े कहां नहीं रखना चाहिए

पुराने कपड़ों को बेड के नीचे और ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में रखने से बचना चाहिए। वास्तु मान्यता के अनुसार, इससे कमरे की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है और नींद से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।

पुराने कपड़ों से पोछा न लगाएं

कई घरों में पुराने कपड़ों से पोछा लगाया जाता है। वास्तु के अनुसार, ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। पोछे के लिए अलग कपड़े का इस्तेमाल करना बेहतर माना जाता है।

फटे कपड़े दान न करें

अगर कोई कपड़ा फट चुका है या पहनने लायक नहीं है, तो उसे दान नहीं करना चाहिए। जरूरतमंद व्यक्ति को हमेशा साफ और पहनने योग्य कपड़े ही देने चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों की परिस्थितियों में सुधार हो सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है, हालांकि अनावश्यक खर्च से बचना उचित रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन अच्छा रहेगा। फिर भी दिनचर्या को व्यवस्थित रखना और पर्याप्त आराम करना लाभकारी होगा।कामकाज से जुड़े मामलों में आपको लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों को सफलता और सम्मान मिल सकता है। सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय लोगों को प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग मिल सकता है। विद्यार्थियों के लिए दिन सकारात्मक रहेगा और पढ़ाई में रुचि बढ़ सकती है।सामाजिक स्तर पर मान-सम्मान और यश में वृद्धि होने के योग हैं किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर नवीन योजना बन सकती है, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों को श्रेष्ठजनों और अनुभवी लोगों का सहयोग मिलने से कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य की उपलब्धि से खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक रूप से सकारात्मक रहने से आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी। नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।आपके अंदर नई ऊर्जा महसूस होगी और काम को पूरा करने का उत्साह बढ़ेगा।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों के लिए आत्मविश्वास और व्यक्तित्व के विकास का दिन हो सकता है। अचानक कोई आर्थिक अवसर भी मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, फिर भी खान-पान और आराम का ध्यान रखना जरूरी होगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अनावश्यक खर्चों में कमी आने से आर्थिक स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए उलझनों से भरा रह सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अचानक खर्च बढ़ सकता है।जीवनसाथी का सहयोग तनाव कम करने में मदद करेगा।विरोधियों पर आपका प्रभाव बना रहेगा।कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों के लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टि से अच्छा रह सकता है। संतान से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य के भविष्य को लेकर चर्चा हो सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने की जरूरत होगी। आपकी कोई पुरानी महत्वाकांक्षा पूरी हो सकती है।नई प्रॉपर्टी खरीदने का संयोग बन सकता है।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को नियमित आमदनी में किसी कारण से बाधा आ सकती है या भुगतान मिलने में देरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अपने लंबित कार्य समय पर पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। मानसिक तनाव कम करने के लिए कुछ समय अपने लिए निकालें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें और पर्याप्त नींद लें।आपकी बुद्धि और चतुराई आर्थिक समस्याओं को दूर करने में मदद करेगी आपकी बुद्धि और चतुराई आर्थिक परेशानियों को दूर करने में मदद करेगी।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों को कई इच्छाओं को पूरा करने वाला साबित हो सकता है। कारोबारियों को पुराने ग्राहकों और संपर्कों से फायदा मिलेगा। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। व्यवसाय की स्थिति में सुधार आएगा और कामकाज से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। अचानक किसी नए स्रोत से धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति संतुलित होगी।

धनु राशि– धनु राशि के जातकों की आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने निर्णयों को लेकर पहले से अधिक स्पष्ट रहेंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी।कर्मक्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आने के संकेत हैं।

मकर राशि - मकर राशि के जातक जिस काम के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे, उसमें सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। किसी करीबी व्यक्ति से हर्षदायक समाचार मिल सकता है। परिवार में उत्साह का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अत्यधिक काम के बीच आराम के लिए समय निकालना जरूरी होगा।नौकरी बदलने की योजना बना रहे हैं तो फिलहाल जल्दबाजी न करें।पारिवारिक परेशानी से छुटकारा मिलने के कारण मन को राहत मिलेगी।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने वाला दिन हो सकता है। सरकारी नौकरी करने वालों को नया पद या अधिकार मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है और पुराने आर्थिक तनाव कम हो सकते हैं। आरोग्य की दृष्टि से दिन सुखद रहेगा।घर का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार में आपसी विश्वास तथा प्रेम बढ़ेगा। अचानक धन लाभ का कोई अवसर मिल सकता है।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों के कारोबारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की सफलता से खुशी मिलेगी। घर का वातावरण सकारात्मक बना रहेगा। श्रेष्ठजनों का सहयोग मिलेगा, जिससे रोजी-रोजगार के क्षेत्र में उन्नति के रास्ते खुलेंगे।आपकी कही हुई कोई बात किसी करीबी व्यक्ति को परेशान कर सकती है, इसलिए बातचीत में संयम और मधुरता बनाए रखें।

प्याज छीलते-छीलते आंखों में आ जाता है पानी ?

प्याज हमारे रोज के खाने का जरूरी हिस्सा है। सब्जी हो, ग्रेवी हो या कोई स्नैक्स डिश, प्याज का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। लेकिन ज्यादा प्याज छीलना या काटना कई लोगों को मुश्किल लगता है। प्याज की तेज गंध से आंखों में पानी आने लगता है और ज्यादा मात्रा में प्याज तैयार करने में समय भी लग जाता है। अगर आपको एक साथ ज्यादा प्याज तैयार करने हैं, तो कुछ आसान किचन ट्रिक्स आपके काम आ सकती हैं। इन तरीकों से प्याज को जल्दी तैयार किया जा सकता है और आंखों में होने वाली जलन को भी कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

प्याज काटते ही आंखों से पानी क्यों आता है?

प्याज के अंदर कुछ ऐसे कंपाउंड और एंजाइम होते हैं जो अलग-अलग जगह मौजूद रहते हैं। जब प्याज को काटा जाता है तो उसकी कोशिकाएं टूट जाती हैं और ये पदार्थ आपस में मिलते हैं। इससे एक गैस बनती है। यह गैस जब आंखों तक पहुंचती है तो आंखों में जलन होने लगती है। इसी जलन से बचने के लिए आंखों से आंसू निकलते हैं। यही वजह है कि प्याज काटते समय आंखों में पानी आने लगता है।

ये आसान हैक्स आएंगे काम

ज्यादा प्याज जल्दी कैसे तैयार करें?

अगर आपको एक साथ काफी मात्रा में प्याज छीलने हैं, तो हर प्याज को अलग-अलग करके तैयार करने के बजाय सभी प्याज को एक साथ सामने रख लें। पहले उनकी ऊपर की सूखी परत निकालें और फिर ऊपर का सूखा हिस्सा काट दें। प्याज के नीचे वाला जड़ का हिस्सा शुरुआत में न काटें। इसे आखिर में काटने से प्याज तैयार करते समय कम परेशानी हो सकती है। अगर प्याज को काटना है तो उसे आधा करते समय भी जड़ वाले हिस्से को कुछ देर बचाकर रखें। इस तरह सारे प्याज एक साथ तैयार करने से काम ज्यादा जल्दी हो सकता है।

प्याज को पहले फ्रिज में रखें

अगर प्याज काटते समय आपकी आंखों में बहुत ज्यादा पानी आता है, तो उसे काटने से पहले करीब 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख सकते हैं। ठंडा प्याज काटने पर प्याज के अंदर होने वाली रासायनिक प्रक्रिया कुछ धीमी हो सकती है। इससे आंखों में होने वाली जलन कम महसूस हो सकती है।

माइक्रोवेव वाला तरीका भी आजमा सकते हैं कुछ लोग प्याज काटने से पहले उसे थोड़ी देर माइक्रोवेव में गर्म करते हैं। हल्की गर्मी से प्याज के कुछ एंजाइम की एक्टिविटी कम हो सकती है, जिससे काटते समय आंखों में जलन कम हो सकती है। हालांकि, अगर आपको प्याज सलाद में डालना है या उसकी ताजगी और क्रंच बनाए रखना है, तो यह तरीका इस्तेमाल करने से पहले ध्यान रखें। गर्म करने से प्याज की बनावट और स्वाद में थोड़ा बदलाव आ सकता है।

तेज चाकू का करें इस्तेमाल

प्याज काटने के लिए चाकू की धार भी काफी मायने रखती है। कुंद चाकू से प्याज काटने पर आपको ज्यादा दबाव लगाना पड़ता है। इससे प्याज के अंदर के हिस्से ज्यादा टूट सकते हैं। इसलिए प्याज काटते समय अच्छी धार वाले चाकू का इस्तेमाल करें। इससे कट आसानी से लगेगा और प्याज को बार-बार दबाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

फलों के छिलकों से खाद बनाने की प्रक्रिया

सबसे पहले छिलकों को करें तैयार

फलों के छिलकों से खाद बनाने के लिए सबसे पहले उन्हें अच्छी तरह साफ कर लें। अगर छिलकों पर मिट्टी या कोई गंदगी लगी है, तो पानी से धोकर साफ कर लें। इसके बाद इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। छोटे टुकड़े जल्दी टूटते और सड़ते हैं, जिससे खाद बनने की प्रक्रिया आसान हो जाती है।केले के छिलके इस काम के लिए काफी इस्तेमाल किए जाते हैं। इसके अलावा सेब, नाशपाती और दूसरे फलों के साफ छिलके भी कंपोस्ट में डाले जा सकते हैं। बहुत ज्यादा खट्टे फलों के छिलके एक साथ डालने से बचें।

घर में रोजाना

फल खाए जाते हैं और उनके छिलके अक्सर कूड़ेदान में चले जाते हैं। लेकिन अगर आपके घर में पौधे हैं, तो यही छिलके आपके काफी काम आ सकते हैं। केले, सेब, संतरे जैसे कई फलों के छिलकों को सही तरीके से इस्तेमाल करके घर पर पौधों के लिए ऑर्गेनिक खाद तैयार की जा सकती है। इससे किचन वेस्ट भी कम होगा और पौधों की मिट्टी में ऑर्गेनिक मैटर भी बढ़ेगा।

बाल्टी या डिब्बे में ऐसे बनाएं खाद

अब एक पुरानी बाल्टी, डिब्बा या कंपोस्ट कंटेनर लें। उसमें नीचे सूखे पत्ते, सूखी घास या थोड़ा सूखा कागज डालें। इसके ऊपर फलों के कटे हुए छिलकों की एक पतली परत डालें। फिर उसके ऊपर थोड़ी सूखी मिट्टी या सूखी पत्तियों की परत डाल दें। इसी तरह गीले किचन वेस्ट और सूखी सामग्री की परत लगाते जाएं। कंटेनर को पूरी तरह एयरटाइट बंद न करें, क्योंकि खाद बनने के लिए हवा का पहुंचना जरूरी होता है।

नमी का रखें खास ध्यान

खाद बनाने के दौरान नमी का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। मिश्रण बहुत सूखा लगे तो थोड़ा पानी छिड़क सकते हैं। लेकिन इसमें ज्यादा पानी डालने की जरूरत नहीं है। अगर कंटेनर में पानी जमा हो गया, तो बदबू आने या खाद खराब होने की समस्या हो सकती है। हर कुछ दिनों में लकड़ी की छड़ी या किसी पुराने औजार की मदद से मिश्रण को हल्का-सा पलट दें। इससे हवा अंदर तक पहुंचेगी और कंपोस्ट बनने की प्रक्रिया बेहतर तरीके से चलेगी।

कब तैयार होगी फलों के छिलकों की खाद?

फलों के छिलकों से बनी खाद को तैयार होने में समय लगता है। मौसम, नमी और इस्तेमाल की गई सामग्री के आधार पर इसमें कई सप्ताह से लेकर कुछ महीने तक लग सकते हैं। जब सामग्री काफी हद तक टूटकर गहरे भूरे रंग की, मिट्टी जैसी और भुरभुरी नजर आने लगे, तब इसे कंपोस्ट के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। तैयार खाद को सीधे पौधे की जड़ से चिपकाकर डालने के बजाय मिट्टी की ऊपरी परत में थोड़ी मात्रा में मिलाएं। गमले के आकार के हिसाब से इसकी मात्रा रखें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

फलों के छिलकों की खाद बनाते समय बहुत ज्यादा गीला कचरा एक साथ न डालें। खराब, सड़ा हुआ या फफूंद लगा खाना डालने से भी बचें। इस तरह फल खाने के बाद बचने वाले छिलकों को कूड़े में फेंकने के बजाय आप उन्हें कंपोस्ट में बदल सकते हैं। इससे घर का किचन वेस्ट कम करने में मदद मिलेगी और पौधों के लिए एक उपयोगी ऑर्गेनिक सामग्री भी तैयार हो जाएगी।

मक्के के आटे से बनाएं कुरकुरी पूड़ी

सर्दियों में मक्के के आटे से बनी चीजों का स्वाद ही अलग होता है। आमतौर पर इससे मक्के की रोटी बनाई जाती है, लेकिन अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं, तो मक्के के आटे की पूड़ी बना सकते हैं। बाहर से हल्की कुरकुरी और अंदर से नरम ये पूड़ी सब्जी, दही या अचार के साथ खूब स्वादिष्ट लगती है।मक्के का आटा गेहूं के आटे की तरह आसानी से बंधता नहीं है। इसलिए इसकी पूड़ी बनाते समय आटा गूंथने और बेलने के तरीके पर थोड़ा ध्यान देना पड़ता है। सही तरीका पता हो तो घर पर भी आसानी से स्वादिष्ट पूड़ी बनाई जा सकती है।

मक्के के आटे की पूड़ी बनाने के लिए चाहिए ये सामान

2 कप मक्के का आटा, 1 चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच नमक या स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच तेल या घी, जरूरत के अनुसार गरम पानी, ऐसे बनाएं मक्के के आटे की पूड़ी

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मक्के का आटा लें। इसमें नमक, अजवाइन और एक चम्मच तेल डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा गरम पानी डालते हुए आटा गूंथें। ध्यान रखें कि पानी एक साथ ज्यादा न डालें। मक्के का आटा पानी जल्दी सोख सकता है, इसलिए धीरे-धीरे पानी डालना बेहतर रहेगा।आटा तैयार होने के बाद इसे 5-10 मिनट के लिए ढककर रख दें। आटा न बहुत सख्त होना चाहिए और न ही बहुत ढीला। पूड़ी बनाने के लिए ऐसा आटा रखें जिसे हाथ से आसानी से दबाया जा सके। यह सबसे जरूरी स्टेप है। मक्के के आटे में ग्लूटेन नहीं होता, इसलिए यह गेहूं के आटे की तरह आसानी से नहीं बेलता और दबाव पड़ने पर टूट सकता है। इसके लिए आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। अब एक प्लास्टिक शीट, बटर पेपर या साफ गीले कपड़े की मदद से लोई को हल्के हाथ से दबाकर पूड़ी का आकार दें। बहुत पतली पूड़ी बनाने की कोशिश न करें, वरना तेल में डालते समय इसके टूटने की संभावना रहती है। पूड़ी को मध्यम मोटाई में रखें। अब कड़ाही में तेल डालकर मध्यम आंच पर गरम करें। तेल बहुत ज्यादा ठंडा होगा तो पूड़ी ज्यादा तेल सोख सकती है और बहुत तेज गरम होगा तो बाहर से जल्दी रंग पकड़ लेगी। अब तैयार पूड़ी को सावधानी से तेल में डालें। कलछी से हल्का दबाने पर जब पूड़ी फूलने लगे, तो इसे पलट दें। दोनों तरफ से हल्का सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। तैयार पूड़ी को प्लेट में निकाल लें और इसी तरह बाकी पूड़ियां भी तल लें।

किसके साथ खाएं मक्के की पूड़ी?

मक्के के आटे की गरमागरम पूड़ी को आप आलू की सब्जी, मिक्स वेज, दही, हरी चटनी या अचार के साथ परोस सकते हैं। ठंड के मौसम में गरम चाय के साथ भी इसका स्वाद अच्छा लगता है। अगर आप इसे थोड़ा अलग स्वाद देना चाहते हैं, तो साथ में लहसुन-हरी मिर्च की चटनी भी परोस सकते हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान संपन्न

दुर्ग/ मेरा युवा भारत, जिला दुर्ग के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में ÷नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत÷ संकल्प अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों को पौधा भेंट कर किया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर नशा मुक्त भारत के लिए चलाए जा रहे 100 सप्ताह के विशेष अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर उन्हें नशा मुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री शंकर प्रसाद एवं मेरा युवा भारत, दुर्ग के अधिकारी श्री क्षितिज की गरिमामय उपस्थिति रही। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

छात्रों ने नशामुक्ति विषय पर स्लोगन लेखन, भाषण, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक एवं सेमिनार के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी, दुर्ग द्वारा विद्यार्थियों को मेरा युवा भारत पोर्टल के उद्देश्यों, युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों तथा VBYLD (विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग) के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने विकसित भारत 2047 के संकल्प में युवाओं की भूमिका एवं नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला।

अंत में सभी विद्यार्थियों ने संकल्प चक्र बनाकर नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन नशा मुक्त, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने पर रहेगा जोर

भिलाई-चरौदा। नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का शुभारंभ किया गया। 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान की शुरुआत माननीय महापौर निर्मल कोसरे ने स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखाकर की। अभियान के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं, जनप्रतिनिधि, निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए लोगों से अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखने तथा स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया। एक माह तक चलेगा स्वच्छता अभियान-नगर निगम भिलाई-चरौदा द्वारा आयोजित यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। अभियान के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता एवं जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्वच्छ शहर के लिए जनभागीदारी जरूरी-अभियान के तहत स्वच्छता को केवल निगम की जिम्मेदारी न मानकर नागरिकों की सहभागिता को भी महत्वपूर्ण बनाया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर डालने जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर रहेगा। स्वच्छता रथ के शुभारंभ के साथ ही भिलाई-चरौदा में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का संदेश लोगों तक पहुंचाने की शुरुआत हो गई है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी को मजबूत करना है।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत माई भारत टीम ने किया रक्त दान

जशपुरनगर। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माई भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत जशपुर जिले की टीम द्वारा जिला अस्पताल, जशपुर में रक्तदान किया गया। यह रक्तदान शिविर रेड क्रॉस सोसायटी एवं जिला प्रशासन, जशपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर में माई भारत जशपुर के जिला युवा अधिकारी एवं राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए अपना योगदान दिया। इस अवसर पर माई भारत टीम ने युवाओं एवं आम नागरिकों से भी रक्तदान के लिए आगे आने और जरूरतमंदों की सहायता करने की अपील की। रक्तदान को मानव जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा बताते हुए युवाओं को समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत माई भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जिले में विभिन्न सामाजिक एवं जन कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

वच्छता ही सेवा अभियान के तहत उरला स्कूल में गूंजा स्वच्छता का संदेश

'स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता' कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प, दिलाई गई शपथ

भिलाई-चरौदा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भिलाई-चरौदा नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उरला में 'स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छता शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अपने विद्यालय, घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के साथ-साथ स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को कचरे का उचित निपटान करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। 'बच्चे बदलाव के सबसे मजबूत संदेशवाहक'–निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत- निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत ने कहा कि स्वच्छता अभियान की सफलता केवल नगर निगम के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक और विशेष रूप से युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चे और युवा स्वच्छता के संदेश को अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं स्वच्छता का पालन करने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन या अभियान तक सीमित रहने वाला विषय नहीं, बल्कि निरंतर अपनाई जाने वाली जीवनशैली है। विद्यालयों से स्वच्छता की आदतों को मजबूत करने से इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ली स्वच्छता की शपथ- कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

विद्यार्थियों ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र को साफ रखने तथा स्वच्छता के प्रति परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। बच्चों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों ने स्वच्छता से जुड़े संदेशों को गंभीरता से समझते हुए अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई। स्वच्छ पाठशाला से स्वच्छ समाज का संदेश- नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता अभियान से जोड़ना और उनमें स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। 'स्वच्छ पाठशाला- युवा फॉर स्वच्छता' के माध्यम से नई पीढ़ी को स्वच्छता का प्रहरी बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ विद्यालय से स्वच्छ परिवार और स्वच्छ परिवार से स्वच्छ समाज का निर्माण होता है। विद्यार्थियों की भागीदारी से स्वच्छता का संदेश अधिक व्यापक स्तर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी और भिलाई-चरौदा को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों में हुई चोरी के प्रकरण में पथरिया पुलिस द्वारा पूर्व में कार्यवाही करते हुए 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंगेली । जिले के थाना पथरिया के अपराध बीएनएस के प्रकरण में ग्राम बेलखुरी एवं कलारजेवरा तथा थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पालचुवा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में हुई चोरी के प्रकरण में पथरिया पुलिस द्वारा पूर्व में कार्यवाही करते हुए 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी 1.खिलेश कौशिक पिता स्व. दिनेश, उम्र 22 वर्ष, 2.राजु वास पिता रामकुमार, उम्र 20 वर्ष 3.महेन्द्र निषाद पिता भागवत, उम्र 21 वर्ष, तीनों निवासी ग्राम बावली तथा 4.बंटी उर्फ रवि पाहुजा पिता स्व. परमानंद, उम्र 50 वर्ष, निवासी जुनापारा बिलासपुर,5.शत्रुहन बघेल पिता इंद्रा प्रसाद उम्र 26 वर्ष साकिन चिरौटी थाना सरगांव , 6.नैतिक नागदेव पिता विजय उम्र 25 वर्ष साकिन विनोबा नगर तारबाहर बिलासपुर , 7.विजय कुमार उर्फपिंटू पिता फागुआ उम्र 42 वर्ष निवासी चिरौटी,थाना सरगांव 8.नरेन्द्रसिंग पिता जोगेंद्र उम्र 42 वर्ष साकिन मोपका थाना सरकंडा बिलासपुर, 9.सार्जन जोशी पिता सदाराम उम्र 44 वर्ष साकिन चिरौटी थाना सरगांव जिला मुंगेली कुल 09 आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही से चोरी का चावल, शक्कर, नगदी रकम एवं घटना में प्रयुक्त सामग्री बरामद कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया था। प्रकरण में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक सु नवनीत कौर छाबड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला तथा उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मुंगेली आशीष अरोरा के मार्गदर्शन में प्रकरण के फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही थी। विवेचना पतासाजी के दौरान थाना पथरिया पुलिस द्वारा प्रकरण के फरार आरोपी आयुष साहू पिता सूर्यप्रकाश साहू, उम्र 29 वर्ष, निवासी अशोक विहार फेस-2, बिलासपुर को 18.09.2026 को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी की गोडपारा खोवा मंडी के पास, बिलासपुर में उसकी अनाज की दुकान है, जहां वह चावल, गेहूं, शक्कर एवं दाल की खरीदी-बिक्री करता है, दुकान के पास ही बंटी उर्फ रवि पाहुजा की दुकान है,लगभग दो माह पूर्व बंटी उर्फ रवि पाहुजा ने उसे बताया था कि कुछ लड़के चावल बिक्री के लिए लाने वाले हैं, जिन्हें उसके गोदाम में रखवा लेना, इसके कुछ दिन बाद बंटी उर्फ रवि पाहुजा एवं दो-तीन अन्य व्यक्ति पिकअप वाहन के चालक सहित चावल एवं शक्कर लेकर उसकी दुकान पर पहुंचे थे, उनके द्वारा चावल एवं शक्कर की बोरियों को आरोपी आयुष साहू के गोदाम में रखवाया गया था। उक्त चोरी के माल को पथरिया पुलिस द्वारा पूर्व में उसके गोदाम से जप्त किया गया है। प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों एवं पूछताछ के आधार पर आरोपी आयुष साहू को 18.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया। प्रकरण में अन्य फरार आरोपियों की पतासाजी जारी हैं। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक पवन देवांगन, थाना प्रभारी पथरिया एवं थाना पथरिया पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जवाहर नगर में सड़क एवं गार्डन के समीप हुए पेवर कार्य का महापौर ने किया औचक निरीक्षण

गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं, विकास कार्यों में मानकों का पालन जरूरी: महापौर

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 जवाहर नगर में सड़क एवं गार्डन के समीप किए गए पेवर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेने महापौर ने औचक निरीक्षण किया।

मौके पर पेवर ब्लॉक निकलवाकर उसके नीचे की सतह एवं निर्माण की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित क्षेत्र के सहायक अभियंता सुरेश केवलानी एवं उप अभियंता पंकज साहू के साथ कार्य की गुणवत्ता एवं निर्माण संबंधी मानकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने मौके पर किए गए पेवर कार्य की गुणवत्ता की जांच की। जांच में कार्य निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप पाया गया। उक्त कार्य 15वें वित्त आयोग के मिलेनियम एलस सिटी मद से स्वीकृत किया गया है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में कराए जा रहे प्रत्येक विकास कार्य की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जनता के लिए स्वीकृत विकास कार्य निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा कार्यों की नियमित रूप से स्थल पर जाकर जांच की जाए, ताकि नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधाएं मिल सकें। महापौर ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों से प्राप्त सुझाव एवं समस्याओं के आधार पर भी आवश्यक कार्यों को चिन्हित कर निराकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

महापौर के निरीक्षण के दौरान मनमोहन शर्मा सहित वार्ड के रहवासी एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंडस्ट्रियल में जशपुर के महुआ उत्पाद देखकर आगंतुक हुए प्रभावित

जशप्योर और जय जंगल के साथ महुआ का सफर: पारंपरिक वन उपज से आधुनिक फूड प्रोडक्ट तक

जशपुरनगर। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में चल रहे 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में जशप्योर और जय जंगल का स्टॉल महुआ की एक नई पहचान लोगों के सामने रख रहा है। 18 सितंबर से शुरू हुआ यह आयोजन 20 सितंबर तक चलेगा। मेले के दूसरे दिन शनिवार को भी बड़ी संख्या में आगंतुकों ने जशपुर के उत्पादों को देखा और महुआ से तैयार किए जा रहे नए खाद्य उत्पादों के बारे में जानकारी ली। जिस महुआ को लंबे समय तक मुख्यतः पारंपरिक उपयोग और शराब से जोड़कर देखा जाता रहा, उसी महुआ को जशपुर में अब खाद्य नवाचार, पोषण, अनुसंधान और जनजातीय आजीविका की नई संभावनाओं से जोड़ा जा रहा है। हॉल नंबर 3 के स्टॉल नंबर 4 एवं 5 पर महुआ नेक्टर, महुआ नेक्टर गोल्ड, वन्यप्राश, महुआ एनर्जी पाचक, महुआ टी, महुआ आधारित कुकीज़, रागी-महुआ उत्पाद, महुआ लड्डू और फूड-ग्रेड महुआ फूल सहित कई उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। महुआ से बने उत्पादों की विविधता के साथ उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग और आधुनिक प्रस्तुति भी लोगों का ध्यान खींच रही है। कई आगंतुकों के लिए यह आश्चर्य का विषय रहा कि राष्ट्रीय स्तर के ब्रांडों जैसी फिनिश और पैकेजिंग वाले ये उत्पाद जशपुर जैसे वन एवं जनजातीय बहुल जिले में विकसित और तैयार किए जा रहे हैं। कई लोगों ने पहली बार महुआ को पारंपरिक उपयोग से अलग इतने विविध खाद्य स्वरूपों में देखा और उत्पादों को चखने के बाद उनके स्वाद और प्रस्तुति की भी सराहना की। यह अनुभव जशपुर में पिछले कुछ वर्षों से विकसित हो रहे एक व्यापक मॉडल को भी सामने रखता है। जब जिला प्रशासन, स्थानीय समुदाय, महिला समूह, उत्पादक संस्था और तकनीकी संस्थान एक साझा दिशा में काम करते हैं, तो स्थानीय संसाधनों से भी बेहतरीन गुणवत्ता और बाजार के अनुरूप उत्पाद विकसित किए जा सकते हैं। जशप्योर के माध्यम से जिले में इसी सोच के साथ स्थानीय वन उपज और पारंपरिक उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर काम किया जा रहा है। महुआ के इस बदलाव के पीछे लगातार अनुसंधान और उत्पाद विकास का काम कर रही है। जिला प्रशासन जशपुर के सहयोग से संचालित संस्था में महुआ के खाद्य उपयोग, नए उत्पादों, फूड-ग्रेड कलेक्शन, डिहाइड्रेशन, प्रसंस्करण तकनीक और गुणवत्ता सुधार पर व्यापक स्तर पर प्रयोग किए जा रहे हैं। इस प्रयास में महुआ को केवल तैयार उत्पाद के रूप में नहीं, बल्कि पेड़ से बाजार तक पूरी वैल्यू चेन के रूप में देखा जा रहा है–स्वच्छ संग्रहण और फूड-ग्रेड महुआ तैयार करने से लेकर प्रोसेसिंग, रिसर्च, पैकेजिंग और मार्केटिंग तक। इससे महुआ का मूल्य बढ़ाने के साथ इससे जुड़े जनजातीय परिवारों और महिलाओं के लिए बेहतर आजीविका की संभावनाएं विकसित करने पर भी काम हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में स्थानीय एवं जनजातीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन और उन्हें व्यापक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। जशपुर में महुआ को लेकर किया जा रहा यह कार्य उसी दिशा में महुआ की पुरानी और सीमित पहचान को बदलते हुए इसके खाद्य एवं पोषण संबंधी पहलुओं को सामने लाने का प्रयास है।मेले में स्टॉल का प्रतिनिधित्व जशपुर की अनेश्वरी भगत और गणपति बाई कर रही हैं। वे आगंतुकों को उत्पादों के साथ यह भी बता रही हैं कि महुआ का संग्रहण किस तरह किया जाता है, उसे फूड-ग्रेड बनाने के लिए क्या बदलाव किए गए हैं और किस तरह पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक फूड प्रोसेसिंग से जोड़ा जा रहा है।संस्था के निदेशक समर्थ जैन ने कहा, ÷ग्राहकों से हमें लगातार ऐसे अनुभव मिल रहे हैं जिनमें वे महुआ के सेवन के बाद आयरन और हीमोग्लोबिन से जुड़े सकारात्मक बदलाव की बात कर रहे हैं।

ज्ञान, नवाचार और शिक्षा से विश्व में मजबूत पहचान बनाए भारत

मुंगेली। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित विद्यालय स्तरीय गतिविधियों में विद्यार्थियों ने अपने सपनों के भारत की कल्पना को विचारों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से साझा किया। इसी क्रम में पीएम सेजेस दाऊपारा मुंगेली की कक्षा 12वीं गणित की छात्रा मानसी पात्रे ने विकसित भारत और अपने सपनों के भारत को लेकर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उनका सपनों का भारत ऐसा हो, जहां विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में देश लगातार नई ऊंचाइयां हासिल करे। आज के विद्यार्थी ही आने वाले भारत की नींव हैं और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक तथा बेहतर संसाधन मिलेंगे तो वे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। मानसी ने कहा कि वह भविष्य में स्वयं भी देश के विकास में अपनी भूमिका निभाना चाहती हैं। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जब वह बड़ी होंगी, तब ऐसे भारत का हिस्सा बनना चाहेंगी जो ज्ञान, नवाचार, तकनीक, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में विश्व में अपनी मजबूत पहचान बनाए। मानसी पात्रे ने कहा कि जब वह विकसित भारत के बारे में सोचती हैं, तो उनके मन में ऐसा भारत आता है, जहां हर बच्चे को पढ़ने, सीखने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। उनका सपना है कि देश के विद्यालयों में शिक्षा को और बेहतर बनाया जाए तथा बच्चों को अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुसार आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com